दैनिक

इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आईटीडीसी इंडिया प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221

डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-184, भोपाल, गुरुवार 19 मई 2022, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

सुविचार

"हम वस्तुओं को जैसी हैं वैसे नहीं देखते हैं। हम उन्हें वैसे देखते हैं जैसे हम हैं।" - टालमड

सुप्रीम कोर्ट का आदेश- एक हफ्ते में अधिसूचना जारी करे चुनाव आयोग

मप्र में ओबीसी आरक्षण के साथ होंगे निकाय चुनाव

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव में ओबीसी आरक्षण को बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने हरी झंडी दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसको लेकर चुनाव आयोग को एक हफ्ते के अंदर अधिसूचना जारी करने का आदेश दिया है। इससे पहले मंगलवार को अदालत में मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार की याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को राज्य निर्वाचन आयोग को दो सप्ताह में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की अधिसूचना जारी करने के आदेश दिए थे। कोर्ट के आदेश के बाद शिवराज सरकार ने संशोधन याचिका दायर की थी।

बता दें कि राज्य सरकार ने राज्य पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जिसके बाद आज आरक्षण देने के आधार को लेकर सरकार का पक्ष सुना गया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट की तरफ से कहा गया था कि पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के आकलन के बाद ही वह ओबीसी आरक्षण पर फैसला देगा।

बता दें कि मप्र की शिवराज सरकार ने एप्लीकेशन फार माडिफिकेशन के माध्यम से बिना ओबीसी आरक्षण के ही पंचायत चुनाव कराए जाने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। कोर्ट ने 10 मई को जो आदेश दिया था उसमें संसोधन की मांग की गई थी। सरकार का कहना था कि वह चुनाव कराने के पक्ष में है लेकिन ओबीसी वर्ग को निकाय और पंचायत चुनाव में 27 प्रतिशत आरक्षण मिले इसके लिए सरकार की तरफ से पूरी कोशिश की जा रही है।

गौरतलब है कि मध्य प्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग ने ही ओबीसी आरक्षण के आधार संबंधी रिपोर्ट शीर्ष न्यायालय में पेश की थी। आयोग द्वारा ओबीसी को 35 फीसदी आरक्षण देने की मांग की गई थी। एमपी में तीन स्तर पर (ग्राम, जनपद और जिला) पंचायत और नगरीय निकाय (नगर परिषद, नगर पालिका और नगर निगम) में पिछड़ा वर्ग को आरक्षण देने के लिए शीर्ष कोर्ट ने अध्ययन कराने के निर्देश दिए थे।

पंचायत चुनाव में इस तरह मिलेगा आरक्षण

कांग्रेस नेता सय्यद जाफर ने कहा- जनपद पंचायतों के अनुसार आरक्षण तय होगा। किसी जनपद की किसी भी ग्राम पंचायत में एससी एसटी को मिलाकर 50 से अधिक जनसंख्या है, तो वहां पर ओबीसी आरक्षण नहीं मिलेगा। इसी तरह किसी जनपद पंचायत स्तर पर एसटी की जनसंख्या 20 प्रतिशत है और एससी की जनसंख्या 10 प्रतिशत है तो यहां पर ओबीसी को 20 प्रतिशत आरक्षण मिल सकेगा। जिला पंचायत स्तर पर यदि एसटी की जनसंख्या 10 प्रतिशत है और एससी की 2 प्रतिशत है, इन्हें जनसंख्या के बराबर ही आरक्षण मिलेगा, शेष में ओबीसी को 35 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। ओबीसी को किसी भी परिस्थिति में 35 प्रतिशत से अधिक आरक्षण नहीं मिलेगा। किसी भी परिस्थिति में कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। अभी तक ओबीसी के लिए 16 प्रतिशत और एसटी को 20 प्रतिशत आरक्षण मिल रहा है।

ओबीसी आरक्षण पर आज सत्य की जीत हुई है: नरोत्तम मिश्रा

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव और पंचायत चुनाव ओबीसी आरक्षण के साथ ही होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने आज बुधवार को सुनवाई करते हुए कहा कि 1 सप्ताह में आरक्षण नोटिफाई और अगले सप्ताह चुनाव कराने का नोटिफिकेशन जारी किया जाए। इस फैसले के बाद गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि ओबीसी आरक्षण पर आज सत्य की जीत हुई है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने अपनी बात को माननीय न्यायालय के समक्ष तथ्यों के साथ रखा।हमारे पक्ष को स्वीकार करने के लिए माननीय न्यायालय का बहुत-बहुत आभार। अब सरकार ओबीसी आरक्षण के साथ चुनाव में जाएगी। ओबीसी आरक्षण वर्ग की पीठ में छुरा घोंपने वाली कांग्रेस अब पश्चताप कर ओबीसी वर्ग को टिकट देने के लिए सुझाव मांग रही है।मध्य प्रदेश का पिछड़ा वर्ग कांग्रेस की असलियत को अच्छी तरह जानता है।

आज का दिन ऐतिहासिक दिन है और मैं अभिभूत हूं: सीएम

इस मौके पर सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दिन है और मैं अभिभूत हूं।77सत्यमेव जयते77 माननीय सर्वोच्च न्यायालय को मैं प्रणाम करता हूं। आज मुझे यह कहते हुए संतोष है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने ओबीसी आरक्षण के साथ चुनाव कराने का फैसला दिया है। अब पूरे आनंद के साथ ओबीसी आरक्षण के साथ चुनाव संपन्न होगा। सत्य की जीत हुई है, सुप्रीम कोर्ट को प्रणाम करता हूँ। हमने कहा था कि हम चुनाव चाहते है कांग्रेस ने पाप किया था, हमने हर संभव प्रयास किया, हमने ओबीसी आयोग का गठन किया। सर्वे के आधार पर हमने जो रिपोर्ट बनाई, निकायवार रिपोर्ट भी सौंपी रिपोर्ट प्रस्तुत की।

सरकार के प्रयास से ओबीसी वर्ग को मिलेगा लाभ

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने निकाय चुनाव में आरक्षण को लेकर जो असमंजस था उसे खत्म कर दिया है, हमे गर्व है कि ओबीसी आरक्षण को लेकर जो हमारा संकल्प था वो पूरा हुआ। मध्य प्रदेश के अंदर ओबीसी आरक्षण के साथ चुनाव होंगे ओर इससे ओबीसी वर्ग को लाभ मिलेगा। कांग्रेस ओबीसी वर्ग को लाभ मिलने से रोकने का काम कर रही थी। भाजपा सरकार के प्रयासों से ओबीसी वर्ग को फायदा मिलेगा। कमलनाथ के विरोध के मामले पर सीएम शिवराज ने कहा कि कांग्रेस और कमलनाथ हमेशा षड्यंत्र ही करते रहे, कभी भी उनकी नीयत ओबीसी को न्याय देने की नहीं थी। मैं आज पूछ रहा हूं कमलनाथ जी क्यों आपके एडवोकेट जनरल ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की बात थी तो कोर्ट में खड़े नहीं हुए? कमलनाथ जी, अब ओबीसी बहुत समझदार है, आपने पाप किया है वह जान गया है।

ज्ञानवापी पर सुनवाई टली

वाराणसी, एजेंसी। ज्ञानवापी मस्जिद मामले में वाराणसी कोर्ट में बुधवार को होने वाली सुनवाई टल गई। वकीलों की हड़ताल के चलते अब केस पर कल यानी गुरुवार को सुनवाई होगी। कोर्ट ने गुरुवार को ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट भी दाखिल करने के आदेश दिए हैं। इससे पहले, हिंदू पक्ष के दो वकील हरिशंकर जैन और विष्णु जैन मीडिया के सामने आए। उन्होंने दो नई मांगों का जिक्र किया। हरिशंकर जैन ने कहा, जहां शिवलिंग मिला है, उसके नीचे तहखाने का सर्वे कराया जाना चाहिए। सामने की दीवार को साफ करके अच्छे तरीके से वीडियोग्राफी होनी चाहिए। हमें उम्मीद है कि कोर्ट हमारे इस प्रार्थना पत्र पर तथ्यों और साक्ष्य के आधार पर फैसला सुनाएगा। वहीं, विष?णु जैन ने कहा, ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में मिले शिवलिंग को दूसरा पक्ष फव?वारा कह रहा है। अगर ऐसा है तो वह फव?वारा चलाकर दिखा दें। फव?वारा है तो वहां वाटर सप्लाई का पूरा सिस्टम भी होगा। ऐसे में प्रतिवादी पक्ष को जांच पर ऐतराज क्यों है? उन्होंने यह भी दावा किया कि नंदी महाराज के सामने से व्यासजी के कक्ष से शिवलिंग तक रास्ता जाता है। कोर्ट से वहां खुदाई कराने की मांग की गई है।

खनन माफिया ने विधायक की गाड़ी तोड़ी, भांजे चालकों पर किया जानलेवा हमला

रामपुर। खनन माफिया बेलगाम होता जा रहा है।रामपुर के पटवाई में भाजपा विधायक राजबाला की गाड़ी तोड़ डाली। उनके भांजे और दो चालकों को पर जानलेवा हमला कर दिया। तीनों घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दो दिन पहले ही खनन कारोबारियों ने दढियाल क्षेत्र में जमकर फायरिंग की थी। रामपुर में कोसी नदी में बड़े पैमाने पर खनन होता है। यहां से रात भर खनन भरे ट्रक दूसरे क्षेत्रों में जाते हैं। शाहबाद क्षेत्र से होकर भी ओवर लोड ट्रक निकलते हैं, जिससे सड़कें क्षतिग्रस्त होती हैं। इसकी शिकायत भाजपा विधायक राजबाला सिंह ने अधिकारियों से की थी। साथ में वीडियो भी दी थी। विधायक पति दिलीप लोधी का कहना है कि मंगलवार की रात खनन अधिकारी उनके आवास पर पहुंचे और कहा कि खनन के ट्रक किधर से होकर गुजरते हैं, वह उन्हें बता दें। उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री अरविंद भदौरिया ने श्रीमती गुलाबरानी सिरोठिया के निधन पर शोक जताया

भोपाल। मप्र के सहकारिता मंत्री अरविंद भदौरिया ने बुधवार को सागर भाजपा जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया की दादी श्रीमती गुलाबरानी सिरोठिया के निधन पर उनके बिना स्थित निवास पर जाकर शोक संवेदना प्रकट की। उन्हों ने ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति और परिजनों को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। साथ ही बुधवार सुबह हुए गुजरात के मोरबी स्थित नमक फैक्ट्री में हुए पर दुख जताया। उन्होंने इस हादसे की खबर काफी दुःखद एवं पीड़ादायक हैं, ईश्वर से दिवंगत आत्माओं के शांति प्रदान करने एवं घायल व्यक्तियों के जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की प्रार्थना की।

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने राज्यों को लिखे पत्र में कोयला आयात को लेकर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आर.के सिंह ने राज्यों को पत्र लिखकर कहा है कि उन्हें अपनी कोयला जरूरतों को पूरा करने के लिए तत्काल कदम उठाने के निर्देश दिए जा सकते हैं। पत्र में उन्होंने कहा है कि मानसून मौसम के दौरान राज्य में बिजली पैदा करने वाली कंपनियों को कोयला आयात को लेकर तत्काल कदम उठाने के लिए कहा जा सकता है। केंद्रीय मंत्री ने हरियाणा, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल को लिखे पत्रों में कोयला आयात की प्रक्रिया पूरी नहीं होने पर चिंता व्यक्त की है। ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि पहले राज्?यों को सम्मिश्रण उद्देश्यों के लिए कोयले की आवश्यकता का 10 प्रतिशत आयात करने की सलाह दी थी। राज्यों को 31 मई तक ऑर्डर देने की सलाह दी गई थी ताकि 30 जून तक 50 प्रतिशत मात्रा, 31 अगस्त तक 40 प्रतिशत और 31 अक्टूबर तक शेष 10त्र की डिलीवरी सुनिश्चित हो।

गुजरात के मोरबी में बड़ा हादसा

नमक फैक्ट्री की दीवार ढही, मलबे में दबकर 12 की मौत, 18 घायल

नई दिल्ली/ मोरबी, एजेंसी। गुजरात के मोर्बी जिले में बड़ा हादसा हुआ है। यहां नमक फैक्ट्री की दीवार ढह गई है। मलबे में दबने के कारण करीब 12 मजदूरों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त मजदूर फैक्ट्री में काम कर रहे थे। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है। राहत और बचाव कार्य अभी जारी है। इस घटना पर प्रधानमंत्री ने शोक व्यक्त करते हुआ कहा मोरबी में दीवार गिरने से हुई त्रासदी हृदय विदारक है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें। स्थानीय अधिकारी प्रभावितों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। मोरबी में हुए हादसे में जान गंवाने वालों के परिजनों को पीएमएनआरएफ की ओर से दो-दो लाख रुपये दिए जाने का एलान किया गया है। और घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

कई मजूदर खाना खाने चले गए थे

हादसे के करीब आधा घंटे पहले तक यहां 40 से ज्यादा मजदूर नमक की पैकिंग कर कर रहे थे। इनमें से कई खाना खाने बाहर चले गए थे। नहीं तो और मजदूरों की मौत हो जाती। कंपनी के कुछ श्रमिकों से मिली जानकारी के अनुसार हादसे का शिकार हुए मजदूर राधनपुर तहसील के गांवों के रहने वाले हैं।

पीएम मोदी ने दुख जताया

इस हादसे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख जताया है। पीएम ने अपने ट्वीट में कहा कि मोरबी में दीवार गिरने की घटना काफी दुख पहुंचाने वाली है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं पीड़ित परिवारों के साथ हैं। पीएम ने हादसे में घायलों के शीघ्र ठीक होने की कामना की है। उन्होंने कहा कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की हर संभव मदद कर रहा है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस घटना पर शोक व्यक्त किया है गुजरात के मोरबी में एक हादसे में 12 लोगों की मृत्यु अत्यंत दु:खद है। मैंने मुख्यमंत्री से बात की है, प्रशासन राहत पहुँचाने में तत्परता से लगा है। घायलों को शीघ्र अस्पताल पहुँचाकर उन्हें उपचार दिया जा रहा है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूँ।

मृतकों के परिवार को 4-4 लाख रुपए की मदद

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने हादसे पर शोक जताते हुए मृतकों के परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि देने का ऐलान किया है। वहीं, घायलों को 50-50 हजार रुपए और उनका पूरा इलाज मुफ्त करवाए जाने की भी घोषणा की है।

हार्दिक पटेल ने कांग्रेस से छोड़ी, चिकन सैंडविच की बात कर आलाकमान पर साधा निशाना

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। लंबे समय से कांग्रेस पार्टी में अंदरुनी कलह के शिकार हो रहे कांग्रेसे नेता हार्दिक पटेल ने आज पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देने का ऐलान कर दिया है। हार्दिक पटेल ने खुद ट्वीट कर यह जानकारी दी है। हार्दिक पटेल ने ट्वीट कर कहा है कि आज मैं हिम्मत करके कांग्रेस पार्टी के पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। मुझे विश्वास है कि मेरे इस निर्णय का स्वागत मेरा हर साथी और गुजरात की जनता करेगी। मैं मानता हूं कि मेरे इस कदम के बाद मैं भविष्य में गुजरात के लिए सच में सकारात्मक रूप से कार्य कर पाऊँगा।हार्दिक पटेल ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेतृत्व पर तीखा प्रहार करते हुए अपने पत्र में कहा कि गुजरात में कांग्रेस के बड़े नेता राज्य के मुद्दों से बहुत दूर हैं। उन्होंने कहा कि मुझे दुख होता है कि मेरे जैसे सैकड़ों कार्यकर्ता अपनी गाड़ी से अपने खर्च पर दिन में 500-600 किलोमीटर दूर जनता के बीच में उनका हालचाल जानने के लिए जाते हैं और लेकिन गुजरात कांग्रेस के कुछ नेता इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि दिल्ली से आए नेता को चिकन सैंडविच समय पर मिला है कि नहीं। सूत्रों के मुताबिक हार्दिक पटेल ने संकेत दिए हैं कि वे भाजपा ज्वाइन कर सकते हैं लेकिन साफ तौर पर अभी कुछ भी नहीं कहा है। हार्दिक पटेल गुजरात कांग्रेस में अपनी अवहेलना के नाराज थे और इस बारे में खुलकर कई बार बोल भी चुके थे। कांग्रेस आलाकमान तक भी उन्होंने आवाज पहुंचाने के कोशिश की थी। इसके बावजूद उन्हें गुजरात कांग्रेस की कई अहम बैठकों में बुलाया नहीं जाता था। कांग्रेस के उदयपुर खेमे से दूरी बनाए रखने वाले गुजरात कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष हार्दिक पटेल ने पार्टी पर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। हार्दिक की मांग थी कि अगर पाटीदार नेता नरेश पटेल कांग्रेस में शामिल होते हैं तो उनकी नाराजगी दूर हो जाएगी, लेकिन नरेश पटेल के पार्टी में शामिल होने की शर्त पर कांग्रेस में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक पूर्व केंद्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी का धड़ा खोदलधाम के मुख्य ट्रस्टी नरेश पटेल के संपर्क में थे और उन्हें कांग्रेस में लाने की पूरी कोशिश कर रहे थे, लेकिन कांग्रेस में अहम पद को लेकर बातचीत सफल नहीं हो पाई थी।

तमिलनाडु में दो बसें भिड़ी, 30 लोग घायल

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के सलेम में दो बसों के बीच आमने-सामने की भीषण टक्कर हो गई। हादसे में 30 लोग घायल हो गए, जिनमें से तीन की हालत गंभीर है।घटना दुर्घटनाग्रस्त एक बस में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। मंगलवार शाम को एडप्पाडी से आ रही एक निजी बस तिरुचेंगोडे से आ रहे एक अन्य बस से टकरा गई। दुर्घटना के फुटेज में बस दिखाई दे रही है, जिसमें कैमरा लगा था। तेज गति से जा रही बस विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बस से टकरा गई। इससे बस के ड्राइवर कैबिन में बैठे यात्री और ड्राइवर उछलकर गिर पड़े। टक्कर इतनी तेज थी कि बस में सवार कई लोग विंड स्क्रीन पर आकर गिर गए। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि बस ड्राइवर अपनी लेन में आराम से बस गाड़ी चला रहा था, लेकिन सामने से एक बस गलत लेन में आ गई जिससे दोनों की जोरदार टक्कर हो गई। इस दौरान बस का ड्राइवर, कंडक्टर और एक अन्य यात्री बस के आगे के शीशे से टकराए।

जेल से बाहर आया राजीव गांधी का हत्यारा पेरारिवलन, बोला- अब खुली हवा में सांस लूंगा

जोलारपेट्टई, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा आज राजीव गांधी के 7 हत्यारों में से एक ए.जी पेरारिवलन को रिहा कर दिया गया है। रिहाई के आदेश के कुछ घंटे बाद एजी पेरारिवलन ने का भी बयान सामने आया है। उसने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास था कि मुझे मृत्युदंड देने की कोई आवश्यकता नहीं है। पेरारिवलन से भविष्य के बारे में पूछे जाने पर उसने कहा कि मैं आगे का सोचने से पहले अब खुली हवा में सांस लूंगा। पेरारिवलन ने कहा, मैं अभी बाहर आया हूं। कानूनी लड़ाई को 31 साल हो गए हैं। मुझे थोड़ी सांस लेनी है। मुझे कुछ समय दें।

एम के स्टालिन बोले-इतिहास का सबसे अलग फैसला

इस मामले में फैसले का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि इसे न्याय के इतिहास में अलग देखा जाएगा। राजीव गांधी हत्याकांड में दोषी पेरारिवलन को रिहा करने के शीर्ष अदालत द्वारा फैसला सुनाए जाने के तुरंत बाद, रिश्तेदार उसके आवास पर पहुंचने लगे हैं। पेरारिवलन ने भी मां को मिठाई खिलाई और उन सभी का शुक्रिया अदा किया जिन्होंने उनका साथ दिया। वहीं उनकी बहन भी इस दौरान भावुक दिखीं और उनकी रिहाई पर खुशी व्यक्त करते हुए पेरारिवलन को गले लगाया।

तमिल समर्थकों ने सड़कों पर मनाया जश्न

फैसले के तुरंत बाद तमिल समर्थक संगठनों के कार्यकर्ता राज्य के कई हिस्सों में सड़कों पर उतर आए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना करते हुए नारे लगाए और पेरारिवलन और छह अन्य को रिहा करने की 2018 की कैबिनेट की सिफारिश पर राज्यपाल की निष्क्रियता की निंदा की। बता दें कि वर्तमान में जमानत पर चल रहे पेरारिवलन को राज्य सरकार पहले भी कई मौकों पर पैरोल दे चुकी थी। मामले में उम्रकैद की सजा पाने वाले अन्य लोगों में मुरुगन, संथान, जयकुमार, रॉबर्ट पायस, जयचंद्रन और नलिनी शामिल हैं।

भाकपा और एआईएडीएमके ने भी किया स्वागत

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भी कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। वहीं भाकपा महासचिव डी राजा ने कहा कि वह यह चाहते थे कि राज्यपाल संविधान के अनुसार कार्य करें और कहा कि फैसले ने राज्यपाल पर भी कई सवाल उठाए हैं। एआईएडीएमके सांसद पी रवींद्रनाथ ने भी सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर खुशी जताई है। बता दें कि के पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली अन्नाद्रमुक कैबिनेट ने 2018 में तत्कालीन राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित से राजीव गांधी की हत्या के सभी सात दोषियों की रिहाई की सिफारिश की थी, जिन्हें 1991 में तमिलनाडु के श्रीपेरंबदूर में एक चुनावी बैठक में लिट्टे के एक आत्मघाती हमलावर ने मार दिया था। बता दें कि ए.जी. पेरारिवलन को 11 जून 1991 को पेरियार थिडल (चेन्नई) में केंद्रीय जांच ब्यूरो के अधिकारियों ने गिरफ्तार किया था। उस पर राजीव गांधी के हत्या के साजिशकर्ता शिवरासन को विस्फोटक उपकरण उपलब्ध कराने का आरोप लगा था। इस मामले में ए.जी. पेरारिवलन को फांसी की सजा सुनाई गई थी।

न्यूज ब्रीफ

मे प्रदेश की पहली साइकोलॉजी साइंटिफिक लैब

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस इन हायर एजुकेशन में प्रदेश की पहली साइकोलॉजी लैब तैयार हो रही है। इसमें स्टूडेंट्स काउंसलिंग के साथ ही सायकोलॉजी के कई पहलुओं से संबंधित प्रैक्टिकल भी कर सकेंगे। संस्थान का दावा है कि इस तरह की साइंटिफिक लैब प्रदेश के किसी भी कॉलेज में नहीं है।

यह पहली लैब होगी, जहां इससे जुड़े विभिन्न पहलुओं पर फोकस किया जा रहा है। यहां छात्रों को फेशियल एक्सप्रेशन, आंखों, बोलने के तरीके से मन के भाव जानना सिखाया जाएगा। अब तक आईईएचई में बीए साइकोलॉजी कोर्स संचालित होता था। जुलाई से शुरू होने जा रहे नए शैक्षणिक सत्र से एमए साइकोलॉजी भी शुरू किया जा रहा है। इसी के मद्देनजर यहां सायकोलॉजी लैब बनाई जा रही है।

लैब में छात्रों को मनोवैज्ञानिक समस्या दूर करने के लिए संबंधित व्यक्ति के ऑब्जेक्टिव, सब्जेक्टिव या प्रोजेक्टिव टेस्ट लेना सिखाया जाएगा। इन टेस्ट के एनालिसिस के आधार पर उसकी काउंसलिंग शुरू होगी। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान यह ध्यान में रखा जाएगा कि सामने वाला बात करने में, अपने विचार रखने में किसी तरह का संकोच न करे, तभी उसकी सही तरीके से काउंसलिंग संभव हो सकेगी। छात्रों को इस दौरान आंख, व्यक्ति के बोलने के तरीके, हिचक, चेहरे के हावभाव, बॉडी लैंग्वेज आदि से जुड़ी बारीकियां भी बताई जाएंगी। इसमें क्वेश्चनायर आदि भी शामिल रहेंगे।

मप्र के किसी कॉलेज में साइकोलॉजी की यह पहली लैब होगी, जहां विभिन्न वैज्ञानिक पहलुओं को ध्यान में रखा जा रहा है। काउंसलिंग के तरीके, छोटे केबिन में आमने-सामने की सिटिंग, कंफर्ट, इसके टूल्स, इक्यूपमेंट आदि लैब में होंगे। जुलाई-अगस्त तक यह तैयार हो जाएगी।

गांव जाकर गरीब हिंदुओं को लालच देकर लाते थे भोपाल

भोपाल के स्कूल में डेढ़ साल से चल रहा धर्मांतरण का खेल, फंसाते थे जाल में

भोपाल में बैरागढ़ इलाके के क्राइस्ट मेमोरियल स्कूल में डेढ़ साल से धर्मांतरण का खेल चल रहा था। रविवार को इस मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस ने यहां से बाप-बेटी समेत 4 लोगों को पकड़ा था। फरार स्कूल संचालक मैनिज मैथ्यूज भी गिरफ्तार हो गया है। उसने ही इस पूरे खेल का खुलासा किया। मैथ्यूज के मुताबिक राजेश मालवीय के कहने पर ही उसने उन लोगों को स्कूल में प्रार्थना करने की जगह दी थी। जिसके बाद हर रविवार को वहां राजेश मालवीय, उसकी बेटी रितिका मालवीय, होटल संचालक राहुल कुमार, कामिनी जॉन और पॉल पोलुस के साथ 15 से 20 लोग आते थे। बैरागढ़ थाना प्रभारी डीपी सिंह ने बताया कि सभी की अपनी जिम्मेदारी थी। कुछ लोग गांव जाकर गरीब हिंदुओं को लालच देकर भोपाल लाते। यहां पर रितिका लोगों को क्रिश्चियन धर्म की अच्छी बातों के बारे में बताती, जबकि राजेश लोगों का धर्म परिवर्तन कराता था। पुलिस स्कूल संचालक समेत 6 लोगों को अब तक आरोपी बना चुकी है। इनमें दो महिलाएं भी हैं। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा खुद अब इस मामले में पूरी नजर रखे हुए हैं। गृहमंत्री ने प्रदेश के सभी मिशनरी स्कूलों पर नजर रखने के लिए इंटेलिजेंस को कहा है।

प्रार्थना की आड़ में बदलवाते थे धर्म

आरोपियों के टारगेट पर भोपाल के आसपास के गरीब हिंदू परिवार रहते थे। रविवार का दिन इसलिए चुना, क्योंकि इस दिन चर्च में प्रार्थना होती। साथ ही ईसाई लोग प्रेयर के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में लोगों के वहां आने से किसी को कोई संदेह न हो, इसी की आड़ में यह पूरा खेल चल रहा था। थाना प्रभारी डीपी सिंह ने बताया कि इस खेल में किसका-क्या किरदार था।

मैनिज मैथ्यूज (मास्टरमाइंड)

क्राइस्ट मेमोरियल स्कूल के संचालक मैनिज मैथ्यूज का काम स्कूल का एक बड़ा हॉल राजेश मालवीय को प्रार्थना के लिए उपलब्ध कराना था। रविवार के दिन कोई बाहरी अंदर न आ सके, इसके लिए पूरी नजर रखी जाती थी। मैथ्यूज के अलावा स्कूल में रविवार को क्या होता है? किसी और को पता नहीं होता था। हमेशा लोगों की संख्या 15 से 20 ही होती थी, ताकि एक जैसी संख्या रहने से किसी को संदेह न हो।

राजेश मालवीय (फादर)

सीहोर का रहने वाला राजेश मालवीय प्रार्थना के दौरान लोगों को यीशु की शरण में आने के फायदे बताता था। इस दौरान 15 से 20 लोग होते थे। जो भी आसानी से क्रिश्चियन बनने को तैयार हो जाता, उसका धर्मांतरण कराने की प्रोसेस शुरू कर दी जाती। राजेश फादर बनकर उनका धर्म परिवर्तित करता था।

कामिनी और रितिका (काउंसलर)

राजेश की बेटी रितिका मालवीय लोगों की काउंसलिंग करती थी। जबकि कामिनी प्रार्थना के लिए आने वाले लोगों को समझाती थी कि उन्हें यीशु के पास क्यों आना चाहिए। दोनों उन्हें इस तरह से समझाती थीं कि यह एक अच्छी शिक्षा है। यीशु उन्हें सच और सत्य के मार्ग पर ले जाएंगे। उनका जीवन ऊपर उठेगा। उनके बच्चों को मिशनरी स्कूल में दाखिला मिलेगा। इससे बड़े होकर उनके बच्चे अच्छी नौकरी पा सकेंगे। हिंदू धर्म बुरा है... क्रिश्चियन अच्छा है।

राहुल कुमार (प्रार्थना कराना)

मूलत: बिहार के रहने वाले राहुल कुमार की लालघाटी पर होटल है। वह लोगों को प्रार्थना कराता था। वह कहता था कि प्रार्थना में बड़ा बल होता है। यीशु की प्रार्थना करो और फिर रिजल्ट देखो। सब कुछ बदल जाएगा। अच्छा ही होगा। दुख दूर होंगे। हम सब एक-दूसरे की शक्ति बनेंगे। राहुल के कहने पर कामिनी जॉन और पॉल पोलुस आसपास के गांवों में जाते थे। लोगों की जरूरत में उनकी मदद करते थे।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में गढ़ाकोटा में 1100 से अधिक नवदम्पत्ति बंधेगे परिणय सूत्र में

सागर जिले की गढ़ाकोटा तहसील में सामूहिक विवाह सम्मेलन हमेशा से ही अपने आयोजन एवं नये कीर्तिमान के लिए जाना जाता है। लोक निर्माण मंत्री श्री गोपाल भार्गव के गृहनगर में इस बार भी मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में सामूहिक विवाह सम्मेलन 19 मई को किया जा रहा है। सम्मेलन में 1100 कन्याओं का विवाह सम्पन्न होगा। लोक निर्माण, कुटीर और ग्रामोद्योग मंत्री श्री गोपाल भार्गव प्रति वर्ष विशेष रूचि लेकर कन्याओं के विवाह करवाते हैं। सामूहिक विवाह सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए मंत्री श्री गोपाल भार्गव द्वारा उनके विधानसभा क्षेत्र में सभी क्षेत्रवासियों को पीले चावल लगे आमंत्रण कार्ड भेजे गये हैं। इस सम्मेलन में 11 सौ से अधिक कन्याओं के विवाह को शाही अंदाज में भव्य रूप देने के लिए कैर्ट्स से लेकर शहनाई, बैण्ड के साथ बुंदेली व्यंजनों के स्टॉल भी लगवाये जा रहे हैं। मंत्री श्री भार्गव स्वयं विधानसभा क्षेत्र की बेटियों का कन्यादान और उनके पैर पखारकर उपहार सामग्री के साथ 11 हजार की राशि कन्याओं के खाते में जमा करेंगे। आयोजन समिति के संयोजक श्री अभिषेक भार्गव ने बताया कि सामूहिक विवाह सम्मेलन कृषक स्टेडियम गढ़ाकोटा में होगा। सम्मेलन में रहली विधानसभा क्षेत्र के युवक-युवतियों के विवाह पंजीयन जारी हैं। अभी तक 13 सौ से अधिक पंजीयन हो चुके हैं। सभी आवेदनों की छानबीन के बाद ही अन्तिम सूची तैयार होगी। विवाह सम्मेलन में शाही अंदाज में बारात निकाली जायेगी। हर एक मंडप में वर-वधु के विवाह संस्कार पंडितों द्वारा कराये जायेंगे। वर-वधु की विदाई बेला में मंत्री श्री भार्गव द्वारा टीका किया जायेगा। जिन परिजन के पास अपने स्वयं के साधन नहीं होंगे, उन्हें मंत्री श्री भार्गव अपने वाहनों में बैठाकर बिदा करेंगे।

50 हजार लोगों का होगा भोज

गढ़ाकोटा विवाह सम्मेलन में आने वाले अतिथियों, वर-वधु के परिजन सहित अन्य 50 हजार से अधिक लोगों को बुफे सिस्टम से भोजन कराया जायेगा।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा तथा नगरीय विकास एवं आवास मंत्री.

स्वास्थ्य विभाग में फर्जी ट्रांसफर आदेशों से की गई हेल्थवर्कर्स की नियुक्तियां

स्वास्थ्य विभाग में फर्जी ट्रांसफर ऑर्डर्स पर नौकरी करने वाले सैकडों कर्मचारी पकड़ में आए हैं। एएनएम, एमपीडब्ल्यू और संगणक जैसे मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के पदों पर सालों से नौकरी कर रहे कर्मचारियों पर अब गाज गिरने जा रही है। मप्र लोकायुक्त ने साल 2016 में फर्जी ट्रांसफर आदेशों पर नौकरी करने वाले 119 कर्मचारियों की सूची तैयार की गई थी। इनमें दतिया जिले में सबसे ज्यादा 64 संदिग्धों के दस्तावेजों की जांच की गई थी। 55 फर्जी कर्मचारी पकड़ में आए हैं। इन कर्मचारियों से स्वास्थ्य विभाग ने नियुक्ति, परीवीक्षा अवधि, ट्रांसफर, रिलीविंग और कार्यभार ग्रहण करने वाले सभी ऑर्डर मांगे हैं। तीन दिनों में डॉक्यूमेंट्स न मिलने पर कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ऐसे हुआ था फर्जी वाड़ा- स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बताते हैं कि करीब सात

साल पहले स्वास्थ्य संचालनालय से स्थानांतरण के फर्जी आदेश जारी होते थे। इन्हीं आदेशों के आधार पर संबंधित जिले में कर्मचारी ज्वाइन करके नौकरी करने लगते। कुछ जिलों में स्वीकृत पदों से ज्यादा कर्मचारी पदस्थ हो गए। शिकायतें हुईं तो तत्कालीन स्वास्थ्य संचालक और अधिकारियों, कर्मचारियों ने मामले में कोई ठोस जांच नहीं की। पिछले हेल्थ कमिश्नर ने इन फर्जी नियुक्तियों की जांच कराई तो बड़े पैमाने पर फर्जी कर्मचारी पाए गए हैं। अब इनसे दस्तावेज मांगे जा रहे हैं।

नहीं पेश कर पाए डॉक्यूमेंट्स तो वसूली होगी और जेल भी जाएंगे फर्जी कर्मचारी- स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी बताते हैं कि इन घोटाले में स्वास्थ्य विभाग के रिटायर्ड संचालक और बाबुओं सहित करीब डेढ़ सौ कर्मचारी जांच के घेरे में हैं। स्वास्थ्य विभाग से फर्जी स्थानांतरण आदेश जारी कर कर्मचारी की जिले में ज्वाइनिंग कराई जाती थी। अब इनसे दस्तावेज मांगे गए हैं यदि दस्तावेज पेश नहीं कर पाए तो कर्मचारियों से पैसों की वसूली और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने जेपी हॉस्पिटल में स्वास्थ्य मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने आज सुबह जेपी हॉस्पिटल पहुँच कर दो दिवसीय जिला स्वास्थ्य मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। स्वास्थ्य मेला आज से 19 मई तक रहेगा।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने मेले में रोगियों के लिए लगाए गए काउंटर और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मेले में कैंसर सहित अन्य बीमारियों के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर की उपस्थिति को सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने स्वास्थ्य मेला में विभिन्न प्रकार की जाँच

व्यवस्था, एनसीडी क्लीनिक और मरीजों को निःशुल्क दवा वितरण काउंटर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए पेयजल और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मेले में अधिक से अधिक रोगियों को लाभान्वित किया जाए। सीएमएचओ डॉ. प्रभाकर तिवारी और सिविल सर्जन डॉ. राकेश कुमार श्रीवास्तव को मेला की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने और स्वास्थ्य उपचार के लिये आये नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएँ देने के निर्देश दिए।

महंगा नींबू...हो गया सस्ता, 300 रुपए किलो

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से लेकर देश की राजधानी दिल्ली तक अपने रेट को लेकर सुर्खियां बटोर चुका नींबू अब सस्ता हो गया है। भोपाल में अप्रैल की शुरुआत में जो नींबू 200 से 300 रुपए किलो तक बिक रहा था, वह अब 70 से 100 रुपए किलो तक मिलने लगा है। वहीं, आवक 80 क्विंटल तक रोज हो रही है। ऐसे में 45 डिग्री वाली गर्मी में नींबू एनर्जी देगा। जुलाई तक नींबू सस्ता ही मिलेगा। वहीं इंदौर में खेरची में एक नींबू 5 रुपए से 10 रुपए का मिल रहा है, लेकिन इनकी क्वालिटी बेहद कमजोर है। सब्जी विक्रेता 200 रुपए प्रति किग्रा नींबू बेच रहे हैं। व्यापारियों का कहना है कि ज्यादा भाव मिलने के कारण किसान कच्चे नींबू ही तोड़कर ला रहे हैं। इस वजह से क्वालिटी भी कमजोर है। मार्च-अप्रैल में नींबू के रेट काफी

बढ़ गए थे। करोंद मंडी में थोक में नींबू 150 से 160 रुपए प्रति किलो में बिक रहा था, जबकि फुटकर में रेट 200 से 300 रुपए किलो तक पहुंच गया था। तब आवक 2 से 3 टन (20-30 क्विंटल) ही थी। आवक घटने और डिमांड बढ़ने से नींबू आम लोगों की पहुंच से दूर हो गया था, लेकिन अब आवक तीन गुना तक बढ़ गई है, इसलिए रेट में असर दिख रहा है।

बेमौसम बारिश से खराब हुई फसल: मद्रास, महाराष्ट्र और गुजरात समेत देशभर के कई इलाकों में बेमौसम बारिश से नींबू की फसल को काफी नुकसान हुआ था। जरूरत के मुकाबले उत्पादन कम हुआ, इसलिए कीमत ने रिकॉर्ड तोड़ दिया था। भोपाल ही नहीं देशभर में यह काफी महंगा हो गया था।

नवरात्र और रमजान में खपत ज्यादा: नवरात्र और रमजान में व्रत-रोजे के दौरान भी नींबू का इस्तेमाल ज्यादा हुआ। उस समय उत्पादन कम था और डिमांड ज्यादा हो गई थी।

फ्यूल की कीमतों में वृद्धि: पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ने के साथ ही माल भाड़ा भी बढ़ा। इसका असर नींबू सहित सभी फल-सब्जियों की कीमतों में देखने को मिला।

सीधे फैक्ट्रियों में डिलीवरी: सॉफ्ट ड्रिंक के साथ ही कई दवाइयों और फूड प्रोडक्ट में नींबू इस्तेमाल किया जाता है। खेतों से नींबू सीधा फैक्ट्रियों में पहुंचा। इस वजह से भी आम जरूरत के मुताबिक नींबू बाजार तक नहीं पहुंच रहा था।

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेवलपमेंट सेंटर न्यूज
मध्य भारत का एक विश्वसनीय दैनिक | 98 26 22 00 22

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात
आपके साथ

प्रयागराज से छत्तीसगढ़ आ रही बस पलटी 12 यात्री घायल, 3 की हालत गंभीर

पेंड्रा। छत्तीसगढ़ में बिलासपुर के पास बुधवार सुबह प्रयागराज से आ रही यात्री बस पलट गई। हादसे में 12 यात्री घायल हुए हैं। इनमें 3 की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें सिम्स रेफर किया गया है। तीनों मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल भिजवाया। हादसे का कारण बस की तेज रफ्तार बताई जा रही है। हादसा रतनपुर थाना क्षेत्र में हुआ है। जानकारी के मुताबिक, प्रयागराज से नरेश बस सर्विस की सीजी 27 के 9616 बस बुधवार सुबह करीब 10.30 बजे रायपुर जा रही थी। अभी बस रतनपुर में चपोरा के मुड़ानार के पास पहुंची थी कि अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराकर पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के आगे का हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। बस पलटते ही चीख-पुकार मच गई। हादसा होते देख आसपास के लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

हादसे के समय बस में करीब 60 यात्री थे। इनमें से 18 लोग घायल हैं। 15 घायलों को रतनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जबकि 3 गंभीर घायल सत्यनारायण पाठक, समीक्षा मिश्रा और संगीता मिश्रा को सिम्स रेफर किया गया है। यह तीनों रीवा से रायपुर जा रहे थे। फिलहाल पुलिस ने सभी घायलों के नाम और पते के आधार पर उनके परिजनों को सूचना दे दी है। बस पलटने को लेकर संचालकों से भी पुलिस पूछताछ करेगी।

हादसे के बाद भाग निकला चालक

यात्रियों ने बताया कि ड्राइवर बहुत स्पीड में बस चला रहा था। कई बार धीरे चलने को कहा गया, लेकिन वह नहीं माना। इसी के चलते बस अनियंत्रित होकर पेड़ से जा टकराई। हादसे के बाद चालक बस से उतरकर भाग निकला। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। नरेश बस सर्विस की बस दूसरी बार हादसे का शिकार हुई है। इससे पहले भी 3 मई को इसी रूट पर खैरा मुख्य मार्ग में माजदा से उसकी टक्कर हो गई थी।

रामलिंगेश्वर मंदिर में मत्था टेक बस्तर दौरे की शुरुआत

सीएम ने जगरगुंडा को तहसील बनाने की घोषणा की

जगदलपुर/ सुकमा। भेंट-मुलाकात अभियान के तहत सीएम भूपेश बघेल बुधवार से बस्तर दौरे पर हैं। वो आज यहां सुकमा जिले के कोंटा पहुंचे हुए हैं। सीएम ने अपने दूसरे दौर की शुरुआत भगवान के दर पर मत्था टेक कर की है। सीएम निर्धारित समय पर कोंटा पहुंच गए थे। इसके बाद उन्होंने यहां राम लिंगेश्वर मंदिर में पूजा अर्चना की है और प्रदेश की खुशहाली की कामना की है।

कोंटा पहुंचने पर उनका कंग्रेस नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वागत किया। हेलीपैड पर उतरने के बाद सीएम सीधे मंदिर पहुंचे। इसके बाद सीएम ने कोंटा के ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया है। यहां उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने दवाइयों की उपलब्धता की जानकारी भी ली। साथ ही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मौजूद बुजुर्ग मरीज के साथ बैठकर उनसे बातचीत की है। यहां निरीक्षण करने के बाद सीएम ने चौपाल लगाई है और लोगों की समस्या सुन रहे हैं।

सीएम भूपेश बघेल ने यहां कहा कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य एक ही है कि शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर हो रहा है कि नही। वहीं गोधन योजना, कृषि न्याय योजना का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर ईमानदारी से हो इसका ध्यान अधिकारियों को देना होगा। महंगाई पर सीएम ने केंद्र की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार ने आम जनता पर कुल्हाड़ी मारा है। पेट्रोल, डीजल, गैस के दाम बढ़ने से

गरीब और गरीब होता जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने यहां कुछ बड़ी घोषणाएं भी की हैं। उन्होंने कहा कि जगरगुंडा को तहसील और दोरनापाल को पूर्ण तहसील का दर्ज दिया जाएगा। कोंटा के बाद सीएम भूपेश छिंदगढ़ पहुंचे थे। छिंदगढ़ में स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने विद्यालय में समर कैंप में आए बच्चों से भेंट की उनसे पढाई एवं अन्य गतिविधियों की जानकारी ली है।

चौपाल में लोगों से भेंट-मुलाकात करने के बाद मुख्यमंत्री सुकमा पहुंचेंगे। सुकमा में मुख्यमंत्री को पुलिस लाइन स्थित ऑफिसर्स मेस का लोकार्पण, शहीद पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा का अनावरण और सी-मार्ट का उद्घाटन करना है। मुख्यमंत्री शाम 5.20 बजे से शाम 7.20 बजे तक सुकमा में विभिन्न प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात करने वाले हैं। उसके बाद वे सुकमा के जिला कांग्रेस कार्यालय राजीव भवन को देखने और कांग्रेस पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं से मिलने जाएंगे।

सीएम भूपेश ने प्रदेश के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में भेंट-मुलाकात कर रहे हैं। भेंट-मुलाकात अभियान के पहले चरण में मुख्यमंत्री 4 से 11 मई तक सरगुजा संभाग में थे। इस दौरान उन्होंने तीन जिलों के आठ विधानसभा में जनता के बीच पहुंचकर शासकीय योजनाओं को क्रियान्वयन और जनता को मिल रहे लाभ को जाना था। इधर, भूपेश बघेल बस्तर के सभी विधानसभा क्षेत्रों का दौरा 2 जून तक पूरा कर लेंगे।

ये घोषणएं भी की

- कोंटा ब्लॉक के बंडा गांव और जगरगुंडा में बिजली सब स्टेशन
- कोंटा में 30 बिस्तर अस्पताल को 50 बिस्तर करने की घोषणा की गई।
- कोंटा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डाक्टर एवं स्टाफ निवास का निर्माण किया जाएगा।
- दुब्बाकोटा में खेल मैदान का निर्माण किया जाएगा।
- छत्तीसगढ़ की सीमा पर छत्तीसगढ़ द्वार का निर्माण।
- एर्राबोर में मिनी स्टेडियम का निर्माण।

नक्सली कमांडर रहे मड़कम ने कहा- आत्मग्लानि में किया सरेंडर, पहले एसपीओ बना और आज हूं इंस्पेक्टर

मुख्यमंत्री जी आपने सड़क, कैम्प और स्कूलों को सुधारकर नक्सल प्रभावित इलाके की तस्वीर बदल दी है। अब यहाँ लोगों में नक्सलियों का खौफ नहीं बल्कि आगे बढ़ने की चाहत है। यहां के लोग सरकार की योजनाओं का लाभ भी उठा रहे हैं। कभी नक्सली संगठन में कमांडर रहे मड़कम मुदराज ने कोंटा में आयोजित भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को आप बीती सुनाई और कहा कि मैं आपसे हाथ मिलाना चाहता हूं। इस पर मुख्यमंत्री ने बड़ी आत्मीयता से मड़कम के कंधे पर हाथ रखा और हाथ भी मिलाया। मुख्यमंत्री ने मड़कम के मुख्यधारा में लौटने पर सराहना की और उनके लिए ताली भी बजवायी। मड़कम के हाथों में बंदूक पहले भी थी और आज भी है। फर्क सिर्फ इतना है कि पहले खौफ ग्रामीणों में था और आज नक्सली इनके नाम से कांपते हैं। मड़कम ने बताया कि वे राह भटककर नक्सली संगठन में शामिल हो गए थे। लेकिन अपने ही भाई बन्धुओं का खून बहाने से आत्मग्लानि के चलते नींद नहीं आती थी। फिर एक दिन आत्मसमर्पण करने की ठान ली। आत्मसमर्पण के बाद एसपीओ बने। इसके बाद सिपाही, एएसआई, एसआई और अब डीआरजी में इन्स्पेक्टर हैं। पत्नी को भी दी थी नक्सली ट्रेनिंग- मड़कम बताते हैं कि कभी उनकी पत्नी भी उनके साथ संगठन में थीं। मैं ही उसे ट्रेनिंग देता था लेकिन हम दोनों ने तय किया कि अब खून-खराबे की जिंदगी नहीं जीना है। जिनके खिलाफ हमने बन्दूक उठाई है वे हमारे ही भाई-बहन हैं। मुख्यधारा में लौटकर अच्छा जीवन जीना है। **आज बच्चे जी रहे अच्छी लाईफ स्टाइल :** मड़कम कहते हैं कि आज वे उच्च पद पर पहुँच गए हैं। सैलरी भी अच्छी है। इस कारण बच्चों को अच्छे से पढ़ा पा रहे हैं। मेरे तीनों बच्चे इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ रहे हैं और अच्छी लाइफ स्टाइल जी रहे हैं। अगर आज नक्सली संगठन में होता तो इन सब चीजों की कल्पना भी नहीं कर सकता था।

शांति और सद्भाव के साथ मनाई जाएगी सालाना उर्स

अम्बिकापुर । सद्भावना ग्राम तकिया में सालाना उर्स शांति व सद्भाव के साथ मनाई जाएगी। इस वर्ष सालाना उर्स तकिया मजार शरीफ में 20 से 22 मई 2022 तक आयोजित होगा। उर्स के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन हेतु मंगलवार को कलेक्टर श्री संजीव कुमार झा की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक में विस्तार से चर्चा कर कई निर्णय लिए गए। कलेक्टर श्री झा ने कहा कि सद्भावना ग्राम तकिया में आयोजित होने वाले सालाना उर्स सबका कार्यक्रम है, सभी शामिल हो, आपसी भाईचारा, साम्प्रदायिक सौहार्द्र व शांतिपूर्ण आयोजन हो। कार्यक्रम अच्छे संदेश के साथ संपन्न हो। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया में अफवाह फैलने न दें। पोस्ट पर सावधानी रखें, हालांकि पुलिस की साइबर टीम सोशल मीडिया पर नजर रखेगी लेकिन अपने परिवार के लोगों पर स्वयं नजर रखें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल पर पुलिस की टीम रहेगी लेकिन बेहतर व्यवस्था के लिए अधिक संख्या में वॉलंटियर्स रखें। पहचान के लिए उन्हें कैप दें। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम स्थल में लोगों की बड़ी तादात में उपस्थिति को देखते हुए तथा शहर से ही कार्यक्रम का आनंद लेने के लिए अम्बिकापुर शहर के प्रमुख स्थानों पर एलईडी टीवी लगवाएं और कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी करायें। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए पानी की पर्याप्त उपलब्धता तथा सफाई व्यवस्था के लिए नगर निगम को जरूर व्यवस्था करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही पानी की स्थायी व्यवस्था के लिए अमृत मिशन के कनेक्शन को तकिया तक पहुंचाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्यक्रम स्थल पर स्ट्रीट लाइट, मोबाइल टॉयलेट, फायर ब्रिगेड की टीम, एम्बुलेंस मय मेडिकल टीम, पार्किंग व्यवस्था, प्रवेश एवं निर्गम के लिए रूट तय करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

राज्य साइबर पुलिस थाना को मिली सफलता ऑनलाइन ठगी के मामले में कंपनी का डायरेक्टर

प्रकरण में विदेशी नागरिकों संलिप्तता की जांच

रायपुर। राज्य साइबर पुलिस थाना द्वारा ऑनलाइन ठगी के प्रकरणों को बड़ी सजगता के साथ विवेचना कर आरोपियों पर कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में शेयर मार्केट में ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी करने वाले कंपनी के डायरेक्टर को राज्य साइबर पुलिस थाना द्वारा गिरफ्तार किया गया है। ठगी की राशि 96 लाख रूपये जिन खातों में जमा की गई थी, उसे फ्रिज कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आरोपियों द्वारा स्वयं को सिंगापुर की एक फाइनेंसर कंपनी का फाइनेंशियल एनालिस्ट बताकर व्हाट्सएप के माध्यम से दोस्ती की और उस कंपनी की एक शाखा भारत में होने की जानकारी दी। ट्रेडिंग अकाउंट खोलने का लिंक भेज कर रजिस्टर्ड कराया और इन्वेस्ट करने पर म्युचुअल फंड से ज्यादा राशि दिलाने का भरोसा दिलाया और 87 लाख रूपये की धोखाधड़ी की गई। ठगी का एहसास होने पर प्रार्थी ने अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवाओं के समक्ष 26 अक्टूबर 2021 को शिकायत दर्ज कराया। राज्य साइबर पुलिस थाना में धारा 420 सहित सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना के लिए लिए राज्य साइबर पुलिस थाना की टीम गठित की गई। जांच के लिए महाराष्ट्र एवं कर्नाटक टीम रवाना की गई। जांच में पाया गया कि क्रिएटिव टेक्नोलॉजी कंपनी के साथ ही अन्य कंपनी ठगी के उद्देश्य से खोली गई है। जो रजिस्टर आफ कंपनीज में कराई गई थी। मिनिस्ट्री आफ होम अफेयर्स द्वारा पूर्व में उपरोक्त कंपनियों पर कार्रवाई हेतु रजिस्टार आफ कंपनी को निर्देशित किया गया था।

गिरफ्तार हुए कंपनी के डायरेक्टर मोहसीन एन ने बताया कि उसने अन्य साथियों के साथ मिलकर क्रिएटिव टेक्नोलॉजी एवं अन्य कंपनी को विदेशी नागरिक के साथ मिलकर रजिस्टर कराया था। जिसे विधिवत गिरफ्तार कर ट्रांजिट रिमांड पर रायपुर लाया गया। धोखाधड़ी के लिए जिन बैंक अकाउंट का उपयोग किया गया था, उसे बैंक दस्तावेजों के आधार पर 96 लाख रुपये डेबिट सीज कराया गया है। विवेचना एवं गिरफ्तारी की कार्रवाई में पुलिस थाना प्रभारी निरीक्षक निशीथ अग्रवाल, उपनिरीक्षक अपारिजात सिंह सहित अन्य सदस्य भी शामिल थे।

परिवहन मंत्री से द रायपुर, बस्तर कोरापुट परिवहन संघ का प्रतिनिधि मण्डल मिला

ट्रकों को लदान न मिलने की समस्या से अवगत कराया

रायपुर । प्रदेश के परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर से यहाँ द रायपुर, बस्तर कोरापुट परिवहन संघ के प्रतिनिधि मण्डल ने भेंट की। उन्होंने संघ के सदस्यों को उनकी ट्रकों को बस्तर क्षेत्र में लौह अयस्क का लदान (लोड) मिलने को लेकर हो रही दिक्कतों से परिवहन मंत्री को अवगत कराया।

परिवहन मंत्री से हुई चर्चा में द रायपुर, बस्तर कोरापुट परिवहन संघ के सदस्यों ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में ट्रकों को लौह अयस्क का लोड मिलने को लेकर बस्तर परिवहन संघ के साथ हुये समझौते का पालन नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने इस संबंध में हो रही दिक्कतों को दूर करने में सहयोग की मांग की।

परिवहन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर ने उन्हें यथासंभव पहल करने का आश्वासन दिया। द रायपुर, बस्तर कोरापुट परिवहन संघ के प्रतिनिधि मण्डल में संरक्षक - श्री जसप्रीत सिंह ढिल्लन, अध्यक्ष-श्री सुखदेव सिंह सिद्धु, सचिव-श्री हरनीत सिंह सिद्धु, उपाध्यक्ष-श्री जसविन्दर सिंह सिद्धु, मनिंदर सिंह, कोषाध्यक्ष-श्री दिवाकर अवस्थी सहित सर्वश्री दलविन्दर सिंह, भगवन्त सिंह, जगजीत सिंह, कुलजीत सिंह एवं कुलदीप सिंह आदि शामिल थे।

बदलता दन्तेवाड़ा

बदलाव की कहानियां गढ़ रहीं स्वयं सहायता समूह की महिलाएं

दंतेवाड़ा। गोधन न्याय योजनाजिले के दन्तेवाड़ा विकसखण्ड अन्तर्गत ग्राम पंचायत बालपेट का आश्रित ग्राम भैरमब जिला मुख्यालय, से 8 किलो मीटर दूरी पर प्राकृतिक के गोद मे घने जंगलो के बीच बसा है। भैरमबंद गोठान में वर्तमान में कुल 15 स्व सहायता की दीदियों द्वारा खाद निर्माण, सब्जी, मशरूम उत्पादन मुर्गी एवं बकरी पालन, वनोपज, फिनाइल निर्माण एक्यूरियम निर्माण, मछली पालन का आदि कार्य कर आजीविका संवर्धन किया जा रहा है।

गोधन न्याय योजना अन्तर्गत समूह की दीदियों द्वारा केचुआ खाद व सुपर कम्पोस्ट आदि का निर्माण किया जा रहा हैं जो की वर्तमान में भैरबंद गौठान में उत्पादक व विक्रय का केन्द्र बना हैं। अबतक इस केंद्र में कुल 6,33,863 किग्रा. गोबर खरीदी किया गया हैं जिसकी राशि 12,67,726 रूपये गोबर विक्रेता हितग्राहियों को प्रदान किया जा चुका है। गोठान में प्राप्त गोबर से केंचुआ खाद 1,21,505 किग्रा. को 12,10,030 रूपये व सुपर कम्पोस्ट मात्रा 20,000 किग्रा. राशि 1,20,000 रू0 में बेचा गया है। खाद निर्माण के साथ-साथ दुर्गा महिला ग्राम संगठन के दीदियों द्वारा सब्जी का उत्पादन किया जा रहा है। जिससे दिदियो की अच्छी आमदानी हो रही है। दीदियों द्वारा सब्जी और हल्दी का उत्पादन सह विक्रय कर लगभग 35000 का लाभ अर्जित किया गया है।

मशरूम उत्पादन: विभिन्न आजीविका गतिविधि अंतर्गत ग्राम संगठन की दीदियों द्वारा मशरूम उत्पादन किया जा रहा है जिसमे अबतक 10000रू. का विक्रय किया गया है।

मुर्गी एवं बकरी पालन: दुर्गा महिला ग्राम संगठन के दिदियो के द्वारा इस सत्र मे कड़कनाथ पालन एवं बकरी पालन का कार्य प्रारंभ किया गया है। जिससे आने वाले दिनों दीदियों को अच्छी आमदानी प्राप्त होगी।

वनोपज खरीदी: गोठान मे मल्टी एक्टीविटीज अंतर्गत वन विभाग के सहयोग से वनोपज क्रय का कार्य किया जा रहा है। पिछले वर्ष लगभग 1.50 लाख का ईमली खरीदी एवं 30000 हजार का अमचूर विक्रय कर लाभ अर्जित किया गया।

एक्यूरियम निर्माण: ग्राम संगठन के कुछ दीदियों द्वारा गोठान ग्राम में एक्यूरियम निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इस गतिविधि को बढ़ावा देने में जिला प्रशासन का योगदान रहा है। जिससे दीदियों स्व प्रेरित होकर

उत्साहपूर्वक कार्य कर रहे है। दीदियां एक्यूरियम निर्माण कर 1.30 लाख का विक्रय कर चूके है।

मछली पालन: गोठान से लगे लगभग 10 एकड़ के तालाब में ग्राम संगठन के दिदियों के परिवार के सदस्यों का मछूआ समिति तैयार कर मत्स्य विभाग के सहयोग से मछली पालन का कार्य किया जा रहा है। पिछले वर्ष लगभग 3.00 लाख का मछली विक्रय कर लाभ अर्जन किये है। और इस वर्ष लगभग 110 किलो का बिज तालाब में डाला गया है। जिससे आने वाले दिनों में अच्छे आय की प्राप्ति होगी।

फिनाईल निर्माण: गोठान ग्राम में ग्राम संगठन के दीदियों द्वारा फिनाईल निमार्ण का कार्य किया जा रहा है। जिसको शासकीय कार्यालय, आश्रम, पोटाकेबिन, छात्रावास एवं माँ दंतेवश्वरी मार्ट में विक्रय किया जा रहा है। अब तक दीदियों द्वारा लगभग 60 हजार रूपये का फिनाईल विक्रय किया जा चका है।

आत्मनिर्भर हो रहे हैं सुदूर क्षेत्र मरईगुड़ा के ग्रामीण

प्रदेशव्यापी भेंट मुलाकात कार्यक्रम के दूसरे चरण के पहले दिन मुख्यमंत्री आज कोंटा विधानसभा पहुंचे। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री बघेल से मिलने सुकमा जिले के सुदूर ग्राम मरईगुड़ा के सरपंच हपका मारा के साथ कोरसा अर्जुन, मड़कम नागेश, माड़वी लक्ष्मण, सुन्नम रत्यैया समेत अनेक ग्रामीण पहुँचे थे। सरपंच के साथ आए ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को अपने गांव की मिर्ची, अरहर और कपास के उत्पादन की जानकारी दी। साथ ही गांव में उत्पादित मिर्ची, कपास और अरहर के नमूने भी दिखाए। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने छत्तीसगढ़ के अंतिम छोर पर बसे ग्रामीणों और किसानों के उत्साह को देखकर खुशी जाहिर की और मरईगुड़ा के सरपंच को बधाई दी। गौरतलब है कि सुकमा जिला मुख्यालय से 150 किलोमीटर दूर बसे मरईगुड़ा में कपास, मिर्च और अरहर की व्यापक खेती शुरू हो गई है। इन उत्पादों को ग्रामीण स्थानीय बाजार के साथ ही सीमावर्ती राज्य आंध्र प्रदेश, तेलंगाना में विक्रय करते हैं। मरईगुड़ा कभी नक्सल हिंसा से प्रभावित गांव था लेकिन मुख्यमंत्री श्री बघेल के प्रयास और राज्य की कल्याणकारी योजनाओं की वजह से यहां के किसान उन्नत खेती कर रहे हैं तथा भयमुक्त वातावरण में खुशहाल जीवन जी रहे हैं।

संपादकीय

चांद पर पौधे

अगली बार जब इंसान चांद पर कदम रखेंगे, तब वह चांद की जमीन पर पौधे उगाने में सक्षम होंगे। यह ऐतिहासिक प्रयोग के परिणामों में से एक है, जिसमें वैज्ञानिकों को चांद से लाई गई मिट्टी में पौधे उगाने में कामयाबी मिली है। वैज्ञानिकों ने पौधों को सफलतापूर्वक विकसित करने के लिए चंद्र सतह-सामग्री के नमूनों का उपयोग किया है। लगभग आधी सदी पहले तीन अलग-अलग अंतरिक्ष अभियानों के तहत चांद से मिट्टी लाई गई थी और प्रयोग यह जानने के लिए किया गया कि क्या मिट्टी उपजाऊ है। सरसों साग जैसे पौधों के बीज इस मिट्टी में लगाए गए। फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के स्टीफन एलार्डो ने बताया कि चांद की मिट्टी में पौधों के लिए पूरे आवश्यक पोषक तत्व नहीं होते हैं। शुरू में पौधे ऐसे अंकुरित हुए कि वैज्ञानिकों को चिंता होने लगी। उन्होंने पौधों को यथोचित प्रकाश, पानी और पोषक तत्व देना शुरू किया, तब पौधे लहलहाकर बढ़े। बहुत छोटी परखनलियों में ये पौधे उगाए गए, इसलिए इनके बहुत बड़े होने की गुंजाइश नहीं है, लेकिन यह साफ हो गया कि अगर चांद की मिट्टी को उचित मात्रा में पानी व पोषक तत्व मिले, तो वहां पौधे का उगाना संभव है।

इस शोध का प्रकाशन जर्नल कम्युनिकेशंस बायोलॉजी में हुआ है, जिसे स्टीफन एलार्डो के साथ अन्ना-लिसा पॉल और रॉबर्ट फेरल ने लिखा है। वैज्ञानिकों को मिली ताजा कामयाबी भावी अंतरिक्ष यात्रियों का उत्साहवर्द्धन कर रही है। कुछ वैज्ञानिक सोच रहे हैं कि अगर चांद पर कुछ दिन रहना पड़े, तो सलाद वाले पौधों की खेती संभव है। अंतरिक्ष यात्री अपने साथ कुछ पानी ले ही जाते हैं, अब साथ में कुछ पोषक तत्व भी ले जाने पड़ेंगे।

यह शोध इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इंसान फिर चांद पर जाने के लिए लालायित हैं। तत्काल लौटने के बजाय वहां कुछ दिन रुकने की योजनाएं बन रही हैं। सब कुछ ठीक रहा और रूस-यूक्रेन युद्ध ज्यादा नहीं भड़का, तो चंद्रमा अगले वर्ष सौर मंडल में सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक होगा। सात से अधिक देश चांद पर जाने के लिए प्रयासरत हैं। इनमें भारत, जापान, रूस, दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। नासा का 93 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्टेमिस कार्यक्रम इस साल अपने पहले लॉन्च के साथ छा जाएगा, चांद पर इंसान फिर टहलता नजर आएगा। सब कुछ ठीक रहा, तो अगला साल चांद अन्वेषण का स्वर्णकाल होगा। निजी कंपनियों ने भी जो उत्साह दिखाया है, उससे यह केवल विज्ञान से जुड़ा विषय नहीं रह गया है, यह अब व्यापार से जुड़ा विषय भी है। लोगों के पास पैसा बढ़ रहा है, इच्छाएं बढ़ रही हैं। ऐसे लोग हैं, जो किसी कीमत पर चांद पर कदम रखना चाहेंगे। निजी कंपनियों की कोशिश है कि अंतरिक्ष विज्ञान को ऐसे विकसित किया जाए कि चांद पर जाना आसान व किफायती भी हो जाए। चांद को लेकर रूस की भी योजना है, लेकिन क्या वह निकट भविष्य में अपने अभियान को साकार कर पाएगा? बहरहाल, भारत को चंद्रयान-3 पर पूरा फोकस करना चाहिए। पिछला अभियान आखिरी वक्त में चांद के करीब पहुंचकर नाकाम हुआ था। अगला अभियान भले ही 1 अगस्त को न लॉन्च हो सके, लेकिन जब भी लॉन्च हो, कामयाबी मिलनी चाहिए।

निवेशकों की भीड़ में न मचे भगदड़

जब कमाई के बाकी सारे रास्ते सूखते दिख रहे हों और उसके बीच शेयर बाजार सारी आशंकाओं को धता बताकर ऊपर ही जा रहा हो, तो धीरे-धीरे आशंकाएं और डर पर विजय प्राप्त कर इंसान कमाई के रास्ते पर कदम बढ़ा ही देता है। यही हुआ भी है। जितने लोगों ने डीमैट अकाउंट खोलकर सीधे शेयरों में पैसा लगाना शुरू किया है, उनसे कहीं ज्यादा लोग म्यूचुअल फंड के रास्ते बाजार में पहुंचे हैं। यह सुरक्षित तरीका भी है। भारत में आम लोग शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं, यह एक अच्छा संकेत भी है, लेकिन यह बेहद खतरनाक भी साबित हो सकता है। अच्छा इसलिए कि शेयर बाजार में लंबे समय में बड़ी दौलत बनाई जा सकती है। इसका नमूना सामने है।

(आलोक जोशी, वरिष्ठ पत्रकार)

एक कहावत चलती है। सावन में पैदा हुए, भादो में बारिश देखी और कहा, बाप रे बाप, ऐसी बारिश तो जिंदगी में कभी नहीं देखी। आजकल यह कहावत शेयर बाजार में चरितार्थ होती दिख रही है। खासकर उन लोगों के लिए जिन्होंने हाल में ही बाजार में कदम रखा है। हाल में का मतलब पिछले एक-दो साल में, यानी कोरोना संकट के बाद। जिस दिन लॉकडाउन का एलान हुआ था, उस दिन शेयर बाजार में भयानक गिरावट आई थी। मुंबई शेयर बाजार का सूचकांक एक दिन में करीब 4,000 अंक और 13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ था। निफ्टी का भी यही हाल था। कुछ दिन के लिए घबराहट भी बनी रही। अप्रैल की शुरुआत तक ही सूचकांक 41,000 की ऊंचाई से लगभग 13,000 अंक गिरकर 27,000 तक पहुंच चुका था। कमजोर दिलवालों के लिए यह खौफनाक नजारा था, लेकिन उसके बाद बाजार ने जो रफ्तार पकड़ी, वह ऐसी थी कि किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। पिछले साल अक्तूबर तक वही सूचकांक 61,000 की नई ऊंचाई पर पहुंच गया था। यानी जिस वक्त पूरी दुनिया अपनी सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रही थी, भारत में बड़े से लेकर छोटे तक सारे उद्योग धंधे भारी मुश्किलों से जूझ रहे थे, जब रोटी और रोजगार के सवाल लगातार गंभीर होते जा रहे थे, उसी वक्त भारत का शेयर बाजार अपना सबसे जोरदार फर्राटा भरने में लगा था।

इसी का असर था कि भारत में तमाम ऐसे लोग जिन्होंने कभी शेयर बाजार का रुख नहीं किया था, वो शेयर बाजार की ओर खिंचे चले आए। मुंबई शेयर बाजार पर पंजीकृत निवेशकों की गिनती दस करोड़ से ऊपर जा चुकी है। सन 2020 में हर महीने औसतन चार लाख नए डीमैट अकाउंट खुलने लगे थे। 2021 में हर महीने औसतन 12 लाख अकाउंट खुले और 2022 में तो अभी तक यह गिनती 29 लाख पर पहुंच चुकी है। यानी 2020 के मुकाबले सात गुना से भी ज्यादा। तो यह करोड़ों लोगों का जो रेला शेयर बाजार की ओर आ रहा है, उसके पीछे क्या है?

जब कमाई के बाकी सारे रास्ते सूखते दिख रहे हों और उसके बीच शेयर बाजार सारी आशंकाओं को धता बताकर ऊपर ही जा रहा हो, तो धीरे-धीरे आशंकाएं और डर पर विजय प्राप्त कर इंसान कमाई के रास्ते पर कदम बढ़ा ही देता है। यही हुआ भी है। जितने लोगों ने डीमैट अकाउंट खोलकर सीधे शेयरों में पैसा लगाना शुरू किया है, उनसे कहीं ज्यादा लोग म्यूचुअल फंड के रास्ते बाजार में पहुंचे हैं। यह सुरक्षित तरीका भी है। भारत में आम लोग शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं, यह एक अच्छा संकेत भी है, लेकिन यह बेहद खतरनाक भी साबित हो सकता है। अच्छा इसलिए कि शेयर बाजार में लंबे समय में बड़ी दौलत बनाई जा सकती है। इसका नमूना सामने है। विदेशी निवेशक पिछले सात-आठ महीनों में भारतीय बाजार में लगभग 23 अरब डॉलर के शेयर बेच चुके हैं। यानी इतना पैसा उन्होंने बाजार से निकाला है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद मार्च तक तो पूरी मजबूती दिखती रही और अप्रैल से अब तक भी करीब 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि विदेशी संस्थानों का रुख पूरी तरह से बिकवाली का लग रहा है। कुछ ही साल पहले ऐसी बिकवाली से बाजार में भारी गिरावट आ जाती थी, लेकिन इस बार अभी तक बाजार संभला हुआ है, तो इसकी वजह यही है कि भारत की आम जनता ने अपना काफी पैसा बाजार में लगाया है। दुनिया के दिग्गज निवेशकों में से एक मॉर्गन स्टैनली की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की बड़ी कंपनियों में हिस्सेदारी के मामले में भारतीय निवेशक जल्दी ही विदेशी संस्थानों को पछाड़ सकते हैं। अब तक देश की सबसे बड़ी कंपनियों में सबसे बड़ा हिस्सा इन विदेशी निवेशकों के पास ही रहा है। लेकिन 2015 के बाद से जहां विदेशी हिस्सेदारी में करीब 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई है, वहीं भारतीय संस्थानों और छोटे निवेशकों की हिस्सेदारी छह प्रतिशत बढ़ गई है।

किसी भी देश के लिए यह शुभ संकेत है कि उसका शेयर बाजार विदेशी निवेशकों से ज्यादा देशी निवेशकों के भरोसे रहे। इसीलिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में इन नए निवेशकों का आभार भी जताया है। लेकिन यहीं याद रखना जरूरी है कि इनमें से दो तिहाई से ज्यादा निवेशक पिछले दो साल में ही पहली बार बाजार में आए हैं और उन्होंने कभी कोई बड़ी गिरावट न देखी है, न उसका झटका महसूस किया है। यही वजह है कि बाजार के जानकार काफी समय से सावधानी बरतने की सलाह देते आ रहे थे और अब शायद वह वक्त आ चुका है, जब इस सलाह पर फिर से गौर करना जरूरी होगा। यदि सावधानी न बरती गई, तो निवेशकों की यह भीड़ कब भगदड़ में बदल जाए, पता नहीं। अप्रैल से बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली शुरू हुई है और अब तक सेंसेक्स और निफ्टी 10 प्रतिशत से ज्यादा गिर चुके हैं। घरेलू संस्थानों और निवेशकों की खरीद का दम है कि यह झटका इतना ही है। लेकिन पिछले दो सालों से जो तेजी चल रही थी, उसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह उम्मीद नहीं थी कि कोरोना जा रहा है और जिंदगी पटरी पर लौट रही है। बल्कि उसकी वजह यह थी कि अमेरिका और यूरोप के ज्यादातर देशों की सरकारें नोट छाप छापकर अपने नागरिकों को पैसे बांट रही थीं। यही पैसा घूम-फिरकर भारत और दूसरे देशों के शेयर बाजारों में तेजी को हवा दे रहा था। इसी तेजी को देख-देखकर भारत में निवेशकों की गिनती कैसे बढ़ी यह सामने है। लेकिन अब यह पहिया उलटा घूमने लगा है। अमेरिका और यूरोप में महंगाई आसमान पर है। उनके केंद्रीय बैंक पैसा बांटने की जगह अब वापस जमा करने में लगे हैं और उसी का दबाव है कि विदेशी निवेशक दुनिया भर के बाजारों में लगी अपनी रकम वापस खींच रहे हैं। महंगाई और ब्याज दरें बढ़ने का यह दबाव भारत में भी बराबर से महसूस होने लगा है।

कान में भारतीय सिनेमा को मिलेगी सलामी

(अनुराग सिंह ठाकुर)

फ्रेंच रिवेरा के शांत तट कानफिल्म समारोह के 75वें संस्करण की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस साल 'मार्चे डू फिल्म्स' की पहली शाम आकर्षण के केंद्र बिंदु के रूप में, भारत दुनिया भर के दर्शकों को अपनी सिनेमाई उत्कृष्टता, तकनीकी कौशल, समृद्ध संस्कृति और कहानी कहने की कला की शानदार विरासत से परिचित कराने जा रहा है। भारत और फ्रांस अपने राजनयिक संबंधों का 75वां वर्ष मना रहे हैं। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पेरिस यात्रा और राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ द्विपक्षीय वार्ता और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। इस विशिष्ट कूटनीतिक पृष्ठभूमि में कानफिल्म समारोह के मार्चे डू फिल्म में भारत को पहला 'कंट्री ऑफ ऑनर' चुना गया है।

'नीचा नगर' से हुई शुरुआत- 'फेस्टिवल डी कान' ने अपनी शुरुआत से ही भारत-फ्रांस संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसकी आधारशिला 1946 में प्रख्यात भारतीय फिल्मकार चेतन आनंद की फिल्म 'नीचा नगर' को पाम डी'ओर का खिताब प्रदान करके रखी गई और एक दशक बाद 1956 में सत्यजीत रे की 'पाथेर पांचाली' को पाम डी'ओर सम्मान मिला। वर्ष 2013 में अमिताभ बच्चन को इस समारोह का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया गया और अरसे से भारतीय सिनेमा जगत की कई हस्तियों ने कान में जूरी की जिम्मेदारी निभाई है।

कान में इस वर्ष भारत की उपस्थिति कई मायनों में महत्वपूर्ण है। यह पहली बार होगा कि रेड कार्पेट पर हमारे देश की सिनेमाई उत्कृष्टता के विविध रूपों का प्रतिनिधित्व न केवल विभिन्न भाषाओं, क्षेत्रीय फिल्मों के अभिनेताओं और फिल्मकारों द्वारा किया जाएगा, बल्कि इसमें ओटीटी प्लैटफॉर्म के प्रतिनिधियों के साथ वैसे संगीतकारों और लोक कलाकारों की भी मजबूत उपस्थिति रहेगी, जिन्होंने युवाओं के साथ सभी उम्र के लोगों को अपनी कला से मंत्रमुग्ध किया है। भारतीय संगीत जगत की जानी-मानी हस्तियां महोत्सव में भारतीय सिनेमा की जीवंतता और विविधता को प्रदर्शित करने के लिए इंडिया पवेलियन में प्रस्तुति देंगी। मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र के भारतीय स्टार्टअप अपने तकनीकी कौशल का प्रदर्शन करेंगे और एनिमेशन विशेषज्ञों के प्रतिनिधिमंडल के साथ एवीजीसी की दुनिया में सर्वश्रेष्ठ होने से संबंधित प्रस्तुति देने के लिए उपस्थित रहेंगे। यह भी पहली बार होगा कि सत्यजीत रे की क्लासिक फिल्म 'प्रतिद्वंद्वी'को उनके शताब्दी वर्ष के अवसर पर कानक्लासिक श्रेणी में प्रदर्शित किया जाएगा। इस फिल्म को पुनर्निर्मित किया गया है।

कान में भारतीय उत्सव और विश्व भर में हमारी सिनेमाई उत्कृष्टता की मान्यता देश को 'दुनिया के कंटेंट हब' के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार है।

हिंसा और युद्ध के इस भयानक दौर में गौतम बुद्ध की याद

(परिचय दास, प्रोफेसर, नव नालंदा विश्वविद्यालय)

शांति की अवधारणा को विभिन्न तरीकों से समझा जाता है। शांति को हिंसा की अनुपस्थिति के रूप में समझना एक सीमित दृष्टि है। शांतिपूर्ण होने का अर्थ है, स्वयं के साथ-साथ धरती के प्रत्येक प्राणी के साथ मित्रतापूर्वक रहना। इसलिए, आंतरिक शांति की स्थिति प्राप्त करना सभी के लिए प्रेरक हो सकता है। महात्मा बुद्ध ने ध्यान के अभ्यास से आंतरिक शांति प्राप्त की, जिसने उन्हें विश्व शांति के वास्ते काम करने के लिए प्रेरित किया। अपनी अधिकांश शिक्षाओं में बुद्ध ने इस बात पर जोर दिया है कि विपश्यना के अभ्यास से मानसिक अशुद्धियां दूर हो जाती हैं, जो उनके अनुसार, मानव दुखों और बेचैनी का कारण रही हैं। एक बार जब कोई व्यक्ति दुखों पर विजय पा लेता है, तब उसे आंतरिक शांति का एहसास होता है। यह बाहरी दुनिया में शांति और सद्भाव सुनिश्चित करता है। इस प्रकार, आंतरिक शांति के माध्यम से विश्व शांति पाई जा सकती है।

बौद्ध धर्म कर्म और संसार पर जोर देने के साथ यह विचार देता है कि जन्म और मृत्यु का चक्र एक व्यक्ति के कार्यों से संचालित होता है। यह पारंपरिक रूप से हत्या के खिलाफ है। हालांकि, बौद्ध राज्य अक्सर बौद्ध धर्म के साथ राष्ट्रवाद को जोड़ते हैं। इस आधार पर वे युद्ध को कई बार सही ठहराते हैं। उदाहरण के लिए, 1930 के दशक में चीन पर जापानी आक्रमण के दौरान सैनिकों को यह बताया गया था कि वे बौद्ध धर्म की रक्षा कर रहे हैं। मगर सवाल यह है कि हम दुनिया में कितने मजबूत बौद्ध राज्यों को देख रहे हैं? उनमें से कितने आर्थिक रूप से मजबूत हैं? क्योंकि आर्थिक ताकत और जीवन शक्ति के साथ नागरिक विद्रोह और युद्ध की आशंका कम होती है। बेशक, हम अब इस्लामी देशों के साथ बहुत अधिक हिंसा देखते हैं, लेकिन हम उनके साथ बहुत गरीबी भी देखते हैं। युद्ध और उग्रवाद को प्रभावित करने वाले कई कारक हैं। उग्रवाद से जूझ रहे म्यांमार, श्रीलंका आदि बौद्ध बहुल देश यह पाएंगे कि उनकी मूल समस्याएं सांप्रदायिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक भी हैं। इन देशों में बौद्ध गुरुओं की बड़ी जिम्मेदारी है, दुनिया उन्हें देख रही है।

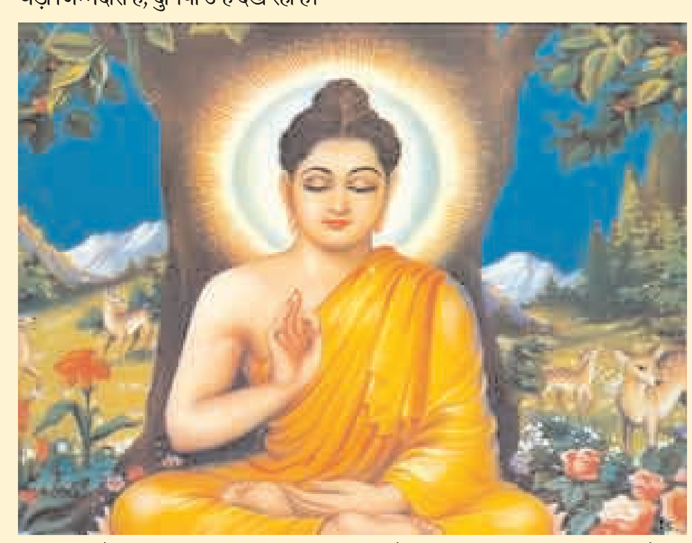

बहरहाल, बौद्ध धर्म में मठों के नेतृत्व वाले विद्रोहों और संघर्षों का प्रलेखित इतिहास भी है, लेकिन पश्चिमी दिमाग में बौद्ध धर्म का जुड़ाव अमूमन शांतिवाद के साथ रहा है। एक चर्चित बौद्ध कहावत है, जो इस दृष्टिकोण का वर्णन करती है कि युद्ध के समय खुद के भीतर करुणा के भाव जगाएं, जीवों की मदद करें और लड़ने की इच्छा छोड़ दें। मगर जब भयंकर युद्ध हो, तब दोनों पक्षों की ताकत को बराबर रखने के लिए अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग करें और इस संघर्ष को सुलझाने के लिए पूरी ईमानदारी से कदम बढ़ाएं। जब भी लोग एक-दूसरे के नैतिक, धार्मिक या राजनीतिक मतभेदों को बर्दाश्त नहीं कर पाते हैं, तब संघर्ष अपरिहार्य और अक्सर बहुत महंगा हो जाता है।

हालांकि, संघर्ष बदलाव के रास्ते भी खोल सकता है और चुनौतियां भी पैदा कर सकता है। संघर्ष-समाधान कौशल हर बार समाधान की गारंटी नहीं देते हैं, लेकिन वे संघर्ष को अपने और दूसरों के बारे में अधिक सीखने के अवसर में बदल सकते हैं। संकट के समय सामान्य व्यवहार को भुला दिया जाता है। चरम इशारों पर विचार किया जाता है, जो स्पष्ट संकेत हैं कि कुछ गड़बड़ है। संघर्ष सकारात्मक या नकारात्मक, रचनात्मक या विनाशकारी हो सकते हैं, जो इस बात पर निर्भर करता है कि हम उनसे क्या रचते हैं।

बौद्ध जानते हैं कि सब कुछ नश्वर है, सब कुछ बदल रहा है; लेकिन कई संघर्षपूर्ण-स्थितियों में हम भूल जाते हैं और अपने विचारों से ऊपर उठने से इनकार कर देते हैं। हम अपनी समस्या के लिए अकेले दूसरे पक्ष को दोष देते हैं। हमें संघर्ष को समझने के लिए कुशल साधन विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। हमें याद रखना चाहिए कि संकट, तनाव, गलतफहमी और परेशानी, जिनमें हमारे झगड़े और व्यक्तिगत मतभेद शामिल हैं, जीवन का हिस्सा हैं। हर समय संघर्ष से बचने की उम्मीद करना एक गलती भी है। सबसे अच्छा हम यह कर सकते हैं कि संघर्षों का ईमानदार अनुमान लगाएं और उन्हें रचनात्मक रूप से प्रबंधित करना सीखकर संघर्षों को कम दर्दनाक बनाएं। संघर्ष का समाधान जागरूकता पर निर्भर करता है।

असंगठित क्षेत्र की मुश्किलें

अगर इसे भी मुख्य धारा में शामिल कर लिया जाए तो इससे आर्थिक प्रगति को नई तेजी मिल सकती है। इससे आत्मनिर्भरता भी बहुत हद तक संभव है और गरीबी का उन्मूलन भी। इस पक्ष पर विश्लेषण यह बताता है कि असंगठित क्षेत्र के मुख्य धारा में नहीं होने के पीछे कुछ समस्याएं हैं। इनमें सबसे बड़ी तो यही है कि असंगठित क्षेत्र में कार्यरत व्यापार व उद्योग धंधों को वित्तीय सुविधाएं आसानी से नहीं मिल पाती है। इस कारण इन्हें कर्ज की लागत अधिक पड़ती है। इस वजह से इनका कारोबार विस्तार भी नहीं हो पाता। यह एक हकीकत है कि वित्तीय सुविधाओं की जकड़न के कारण असंगठित क्षेत्र के उद्योग-धंधों की लाभदायकता भी कम ही रहती है।

(परमजीत सिंह वोहरा)

शहरों में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों का बीस फीसद हिस्सा दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर है। इसी कारण इन श्रमिकों का आर्थिक जीवन स्तर दयनीय हालत में रहता है। वे सामाजिक सुरक्षा की सुविधाओं से भी वंचित रहते हैं। इनके न्यूनतम वेतन की भी गारंटी नहीं है। विकासशील देश रोजगार सृजन के लिए असंगठित क्षेत्र पर कहीं ज्यादा निर्भर रहते हैं।

इसी कारण विकसित देशों से वे हमेशा आर्थिक स्तर पर पिछड़े रहे हैं। कमोबेश यही स्थिति भारत की भी है। आज भारत की नब्बे फीसद श्रम योग्य आबादी रोजगार के लिए असंगठित क्षेत्र में लगी है। इनकी संख्या बयालीस करोड़ के आसपास है। वहीं दूसरी तरफ इस क्षेत्र के लोगों की आमद बहुत कम होती है। आंकड़ों के अनुसार कुल राष्ट्रीय आय में इस क्षेत्र का योगदान मात्र तीस फीसद ही है।

इस कारण भारत की कुल राष्ट्रीय आय कम है और विकसित राष्ट्रों की तुलना में भारत में प्रति व्यक्ति आय भी बहुत कम है। नतीजतन हमारे समाज का एक बहुत बड़ा तबका रोजमर्रा के जीवन में आर्थिक सुविधाओं के लिए संघर्ष करता दिखता है।

इन क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों की मुख्य समस्याओं में कम आमदनी, स्थायी रोजगार की अनिश्चितता और श्रम कानूनों के प्रावधानों का फायदा न मिल पाना तो है ही, इससे भी बड़ी समस्या आर्थिक सुविधाओं से वंचित रहना है। इसका जीवंत उदाहरण हमने कोरोना महामारी के समय प्रतिबंधों के दौरान देखा था जब श्रमिकों का बहुत बड़ा तबका रोजगार विहीन होकर सड़कों पर पैदल चलने को मजबूर था।

यह भी हकीकत है कि आज दो साल बाद भी कामगारों का यह तबका आज भी आर्थिक रूप से संघर्षरत है। रोजगार तो उसे वापस मिलने लगा है, पर आर्थिक खुशी अभी नहीं मिली है। इसी

वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था भी आर्थिक विकास के लिए बहुत मजबूत नजर नहीं आ रही है। भारत का असंगठित क्षेत्र मुख्यतः ग्रामीण आबादी से मिल कर बना है। लगभग सत्तर फीसद ग्रामीण श्रमिक असंगठित क्षेत्रों में लगे हैं। इसमें अधिकांशतः वे हैं जो आर्थिक गुजर-बसर के लिए गांवों में कृषि पर निर्भर हैं या गांवों में अपने परंपरागत कार्य करते हैं।

इसके अलावा वे छोटे भूमिहीन किसान भी इसी क्षेत्र से जुड़े हैं जो फसल की बुआई और कटाई के समय गांवों की ओर चले जाते हैं। शहरों में इस क्षेत्र के पचास फीसद लोग अपने खुद के छोटे-मोटे काम-धंधों में लगे हैं जिसमें किराने की दुकान, सब्जी, दूध विक्रेता, सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी लगाने वाले, घरों में काम करने वाले प्लंबर, बिजली मिस्त्री आदि शामिल हैं।

इसके अलावा विनिर्माण उद्योगों, परिवहन, भंडारण, होटल, रेस्टोरेंट, विभिन्न संचार-दूरसंचार माध्यमों, काल सेंटरो, वित्तीय सेवा क्षेत्र आदि में बड़ी संख्या में ऐसे श्रमिक लगे हैं। आंकड़े यह भी बताते हैं कि शहरों में असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों का बीस फीसद हिस्सा दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर है। इसी कारण इन श्रमिकों का आर्थिक जीवन स्तर दयनीय हालत में रहता है। वे सामाजिक सुरक्षा की सुविधाओं से भी वंचित रहते हैं।

इनके न्यूनतम वेतन की भी गारंटी नहीं है। पेंशन, चिकित्सा सुविधा, भविष्य निधि, बीमा, ग्रेच्युटी जैसी आवश्यक आर्थिक सुरक्षाएं जो सभी सरकारी संस्थानों में कर्मचारियों का आर्थिक अधिकार है, उससे ये सदैव वंचित ही नहीं अपितु अनभिज्ञ भी रहते हैं। ऐसा इसीलिए होता है क्योंकि आजीविका के ऐसे सभी स्रोत सामान्यतया किसी श्रमिक व औद्योगिक कानून से संचालित नहीं होते। इसलिए इन्हें असंगठित क्षेत्र कहा जाता है।

यह विचारणीय विषय है कि असंगठित क्षेत्र अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में क्यों नहीं है, जबकि भारत के ग्रामीण व पिछड़े वर्ग के आर्थिक विकास का मुख्य सहारा यही क्षेत्र है। उदाहरण के तौर पर आज भारतीय अर्थव्यवस्था में निर्माण व उत्पादन के क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र से लगभग चालीस फीसद का अंशदान प्राप्त होता है।

अगर इसे भी मुख्य धारा में शामिल कर लिया जाए तो इससे आर्थिक प्रगति को नई तेजी मिल सकती है। इससे आत्मनिर्भरता भी बहुत हद तक संभव है और गरीबी का उन्मूलन भी। इस पक्ष पर विश्लेषण यह बताता है कि असंगठित क्षेत्र के मुख्य धारा में नहीं होने के पीछे कुछ समस्याएं हैं। इनमें सबसे बड़ी तो यही है कि असंगठित क्षेत्र में कार्यरत व्यापार व उद्योग धंधों को वित्तीय सुविधाएं आसानी से नहीं मिल पाती है। इस कारण इन्हें कर्ज की लागत अधिक पड़ती है।

इस वजह से इनका कारोबार विस्तार भी नहीं हो पाता। यह एक हकीकत है कि वित्तीय सुविधाओं की जकड़न के कारण असंगठित क्षेत्र के उद्योग-धंधों की लाभदायकता भी कम ही रहती है।

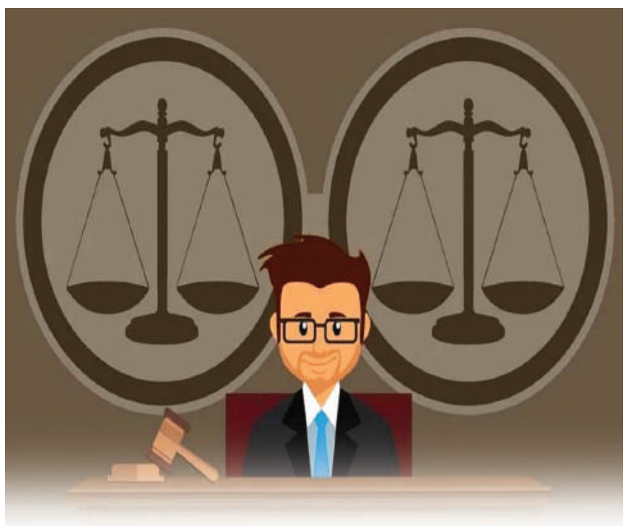

दुनिया की पांच सबसे अजीबोगरीब सजाएं, जो कर देंगी आपको हैरान

किसी भी अपराधी को उसके अपराध के लिए सजा जरूर मिलती है, चाहे वो अपराध छोटा हो या बड़ा। लेकिन जरा सोचिए कि अपराधी को उसके अपराध के लिए अजीबोगरीब सजा मिलने लगे तो। आज हम आपको कुछ ऐसे ही अजीबोगरीब सजाओं के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

अमेरिका के मिसौरी में रहने वाले डेविड बेरी नामक शख्स ने सैकड़ों हिरणों का शिकार किया था। साल 2018 में इस जुर्म का दोषी पाते हुए अदालत ने उसे एक साल तक जेल में रहकर महीने में कम से कम एक बार डिज्नी का बाम्बी कार्टून देखने की सजा सुनाई थी।

साल 2003 में अमेरिका के शिकागो में रहने वाले दो लड़कों ने क्रिसमस की शाम चर्च से ईसा मसीह की मूर्ति चुराई थी और उसे नुकसान पहुंचाया था। इस जुर्म का दोषी पाते हुए दोनों को 45 दिन के लिए जेल की सजा सुनाई गई थी। इसके अलावा उन्हें अपने गृहनगर में एक गधे के साथ मार्च करने का भी आदेश दिया गया था।

अमेरिका के ओकलाहोमा में रहने वाले 17 वर्षीय टाइलर एलरेड द्वारा शराब पीकर गाड़ी चलाने की वजह से हुई दुर्घटना में उसके एक दोस्त की मौत हो गई थी। यह घटना साल 2011 की है। चूंकि टाइलर उस समय हाई स्कूल में पढ़ते थे, इसलिए अदालत ने उन्हें हाई स्कूल और ग्रेजुएशन खत्म करने के अलावा साल भर के लिए ड्रग, शराब और निकोटिन टेस्ट करवाने के साथ ही 10 साल तक चर्च जाने की सजा सुनाई थी।

स्पेन के एंडालूसिया में रहने वाले एक 25 वर्षीय युवक के माता-पिता ने उसे पॉकेट मनी देनी बंद कर दी थी, जिसके बाद वह इस मामले को अदालत में ले आया। हालांकि अदालत ने उल्टे उसी को सजा सुना दी कि अगले 30 दिन के अंदर उसे उसके माता-पिता का घर छोड़ना पड़ेगा और अपने पैरों पर खड़ा होना पड़ेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2008 में एंड्रयू वेक्टर पर अपनी कार में तेज आवाज में संगीत सुनने पर 120 पाउंड यानी आज के हिसाब से करीब 11 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया था। वो अपना पसंदीदा संगीत 'रैप' सुन रहे थे। हालांकि बाद में जज ने कहा कि वह जुर्माने की रकम घटाकर 30 पाउंड कर देंगे, बशर्ते कि वेक्टर को 20 घंटों तक बीथोवन, बाख और शोपेन का शास्त्रीय संगीत सुनना होगा।

दुनिया का सबसे जहरीला पेड़

मैंशीनील

मैंशीनील नामक ये पेड़ दुनिया का सबसे जहरीला पेड़ है। यह पेड़ कैरेबियन सागर तटों पर पाया जाता है। यह इतना जहरीला है कि इसके संपर्क में आने से शरीर पर छाले पड़ जाते हैं तो वहीं इसका फल खाने से जान भी जा सकती है।

पेड़ पौधों का जीवन में बहुत महत्व है। सीधे शब्दों में कहा जाए तो इनसे ही जीवन है। इसके अलावा पेड़ पर लगने वाले स्वादिष्ट फलों से हमें कई पोषक तत्व प्राप्त होते हैं लेकिन क्या आपको पता है कि एक ऐसा ही एक पेड़ भी है, जो इतना जहरीला है कि इसे दुनिया का सबसे जहरीला पेड़ कहा जाता है। इस पेड़ का नाम है मैंशीनील। यह पेड़ फ्लोरिडा और कैरेबियन सागर बीच तटों पर पाया जाता है। इस पेड़ के बारे में कहा जाता है कि यह इतना जहरीला होता है कि अगर कोई इंसान इसके संपर्क में आ जाए तो उसके शरीर पर छाले पड़ जाते हैं। इस पेड़ का हर हिस्सा जहरीला है लेकिन इसका फल सबसे ज्यादा जहरीला माना जाता है। अगर कोई इंसान इस फल का एक टुकड़ा भी खा ले तो उसकी मौत हो सकती है। हांलाकि वैज्ञानिक इस फल को चखकर देख चुके हैं। यह फल छोटे से सेब के आकार का होता है। क्रिस्टोफर कोलंबस ने मैंशीनील के फल को मौत का छोटा सेब का नाम दिया है।

जा सकती है आंखो की रोशनी

इस पेड़ के बारे में कहा जाता है कि ये इतना जहरीला है कि अगर किसी इंसान की आंखों में पहुंच जाए तो वो अंधा तक हो सकता है। जब अचानक बारिश आ जाए तो हम किसी पेड़ के नीचे भी खड़ो हो जाते हैं लेकिन मैंशीनील पेड़ के नीचे खड़े होने से भी इंसानों को नुकसान पहुंच सकता है। इसी कारण लोगों को इस पेड़ के संपर्क में आने से रोकने और इसके फलों को खाने से रोकने के लिए पेड़ों के आस-पास बोर्ड भी लगाए गए हैं। जिसमें इस पेड़ के जहरीले होने और इससे दूर रहने की चेतावनी दी गई है।

कुछ ही देर में असर दिखाने लगता है इस पेड़ का जहर

निकोला एच स्ट्रिकलैंड नाम के एक वैज्ञानिक के अनुसार, एक बार वे और उनके कुछ दोस्तों ने टोबैगो के कैरेबियन आइलैंड के बीच पर थे। वहां उन्होंने इस फल को खा लिया था। इसका स्वाद बेहद ही कड़वा था। वे बताते हैं कि इस पेड़ के फल खाने के कुछ समय बाद ही उन्हें जलन होने लगी और शरीर में सूजन आ गई। हालांकि, तुरंत ही इलाज मिला जाने से उनकी हालत ठीक हो गई।

ऐसा होता है मैंशीनील का पेड़

मैंशीनील के पेड़ की ऊंचाई लगभग 50 फीट तक होती है। इसकी पत्तियां चमकदार और आकार में अंडाकार होती हैं। वैसे तो यह पूरा पेड़ ही जहरीला माना जाता है लेकिन इसका फल सबसे ज्यादा जहरीला होता है हालांकि यह जहरीला भले ही हो लेकिन स्थानीय पारितंत्र में इस पेड़ की अहम भूमिका है। यह पेड़ कैरिबियाई सागर के तटों पर पाया जाता है और मिट्टी के कटाव को रोकने में सहायक होता है।

फर्नीचर बनाने के लिए किया जाने लगा है इसका उपयोग

कैरिबियाई कारपेंटर इस पेड़ की लकड़ियों का इस्तेमाल फर्नीचर बनाने के लिए भी करने लगे हैं लेकिन इसे काटते समय बेहद सावधानी बरती जाती है और फर्नीचर बनना से पहले इसकी लकड़ियों को लंबे समय तक धूप में सुखाया जाता है ताकि इसके अंदर का जहरीला रस समाप्त हो जाए।

अंतरिक्ष तक में जिंदा रह सकता है यह जानवर

अभी तक आपने जमीन पर चलने वाला भालू तो देखा होगा लेकिन आज हम आपको बता रहे हैं पानी में रहने वाले भालू के बारे में.हम आपको इससे जुड़े ऐसे रोचक तथ्य बताएंगे कि आप दांतों तले उंगली दबा लेंगे.

देश-विदेश में कई अजब-गजब जानवर पाए जाते हैं, जिनके बारे में जानकर आम लोग हैरान रह जाते हैं.अभी तक आपने जमीन पर चलने वाला भालू तो देखा होगा लेकिन आज हम आपको बता रहे हैं पानी में रहने वाले भालू के बारे में.हैरान रह गए न आप? यह तो कुछ भी नहीं है, अभी हम आपको इससे जुड़े ऐसे रोचक तथ्य बताएंगे कि आप दांतों तले उंगली दबा लेंगे.

क्या है पानी वाला भालू

अभी तक हमने जमीन पर रहने और चलने वाले भालू तो बहुत देखे-सुने हैं लेकिन हमारी प्रकृति में 'पानी वाला भालू' भी पाया जाता है.यह भालू पानी में रहता है और किसी भी तरह के वातावरण में खुद को ढाल लेता है.इसकी जीने की इच्छा इतनी प्रबल है कि कहीं भयंकर ठंड पड़ रही हो, बर्फ गिर रही हो, सूखा पड़ गया हो या सूरज की सीधी किरणें पड़ रही हों, यह हर हाल में खुद को जीवित रख लेता है.इसे टार्डिग्रेड के नाम से भी जाना जाता है.इसे आम भाषा में वॉटर बियर या पानी वाला भालू कहा जाता है.यह आमतौर पर दलदल में रहता है.

आपदा में जी सकता है यह भालू

शोधकर्ताओं ने टार्डिग्रेड की दो प्रजातियों का डीएनए डिकोड कर उन जीन का पता लगाया, जिनकी बदौलत वह खतरनाक सूखे के बाद भी अपनी जान बचाए रखता है और फिर दोबारा जिंदा हो उठता है.यह अध्ययन पीएलओएस बायोलॉजी नाम के जर्नल में छपा है.यह बड़ी से बड़ी आपदा में भी जिंदा रह सकता है.शोध में वैज्ञानिकों ने पाया कि उनकी इस असाधारण काबिलियत की वजह जेनेटिक है.सूखे की स्थिति में टार्डिग्रेड के कुछ ऐसे जीन सक्रिय हो जाते हैं, जो उनकी कोशिकाओं में पानी की जगह ले लेते हैं.फिर वे इसी तरह रहते हैं और कुछ महीनों या सालों बाद जब दोबारा पानी उपलब्ध होता है तो अपनी कोशिकाओं को वो दोबारा पानी से भर लेते हैं.

कैसा है आकार

पानी वाले भालू को उनके निराले आकार के लिए जाना जाता है.इनके आठ मोटे-मोटे पांव और जबड़े होते हैं.टार्डिग्रेड्स में सिर और पूंछ के विकास को नियंत्रित करने वाले एचओएक्स जीन की संख्या सिर्फ पांच होती है, जो कृमियों जैसा है. लेकिन इनके आकार की वजह से इन्हें जानवर की श्रेणी में रखा जाता है.

ऐसा पौधा जिनमें एक भी पत्ती नहीं होती

पृथ्वी पर कुछ पौधे ऐसे होते हैं, जिनमें एक भी पत्ती नहीं होती। उसी में से एक है शैवाल। जिसे काई के नाम से भी जाना जाता है। जो पौधे फूल तथा बीज नहीं उत्पन्न करते उनको क्रिप्टोगैम कहते हैं। आज हम आप को एक ऐसे पौधे के बारे में बता रहे हैं, जिसमें एक भी पत्ती नहीं होती।

शैवाल मानव जीवन के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। यह न केवल खाद्य पदार्थ के रूप में उपयोग में लाई जा सकती है, बल्कि गंदगी साफ करने तथा स्वास्थ्य की दृष्टि से भी विशेष महत्व रखती है। इसमें बंजर भूमि को उर्वर बनाने का भी गुण है। यह कहीं भी किसी भी स्थिति में अपना अस्तित्व बचाने में सक्षम है। शैवाल पर्णहरित होते हैं। ये अक्सर हरे रंग के होते हैं। वैसे कुछ शैवाल ऐसे भी होते हैं, जिनका रंग लाल, भूरा अथवा नीला हरा होता है। अधिकांश शैवाल पानी में तालाबों, रुके हुए जलाशयों तथा समुद्रों में पाए जाते हैं। कुछ शैवाल पेड़ों के तनों पर अथवा पत्थर की शिलाओं के ऊपर हरी परत के रूप में उगा करते हैं। कुछ नीले हरे वर्ण के शैवाल नदियों तथा तालाबों के सोपानों पर भी उगते हैं। ये एक प्रकार का चिकना पदार्थ छोड़ते हैं, जिसके कारण बहुधा लोग फिसलकर गिर जाया करते हैं। पानी में पैदा होने वाले शैवालों का विभाजन दो भागों में किया जाता है।

मीठे पानी के शैवाल

कुछ मीठे पानी के शैवाल होते हैं, जो तालाबों, झीलों, नदियों आदि में उगते हैं तथा कुछ खारे पानी के समुद्रों में पाए जाते हैं। मीठे पानी के शैवाल को अलवण जलशैवाल कहते हैं तथा खारे पानी वालों को सामुद्रिक शैवाल के नाम से जाना जाता है। पानी में ये या तो तैरते रहते हैं या स्थिर रहते हैं। जो शैवाल पानी में तैरते हैं, वे एककोशीय या बहुकोशीय होते हैं।

शैवालों में होती है विभिन्नता

रचना के आधार पर देखें तो इसमें काफी भिन्नता होती है। कुछ तो अति सूक्ष्म एककोशिक होते हैं, जो केवल सूक्ष्मदर्शी द्वारा ही दिखते हैं तथा कुछ ऐसे होते हैं, जो कई सेंमी लंबे होते हैं। क्लोरेला क्लैमिडोमॉनैस आदि सूक्ष्म शैवाल हैं। वैसे सबसे बड़ा शैवाल मैक्रोसिस्टिस है, जो लाखों कोशिकाओं से बना तथा कई सौ फुट लंबा होता है।

खाने वाले शैवाल

अल्वा और सारगासम ये दो ऐसे शैवाल हैं, जिन्हें समुद्री सलाद के रूप में विदेशों में खाया जाता है। वैसे यह अपने देश में नहीं खाया जाता है। शैवाल प्रदूषण कम करने में भी सहायक होते हैं। भविष्य में ये ऊर्जा का मजबूत स्रोत भी बन सकते हैं। इससे सीवर के पानी को शुद्ध कर उपयोग में लाया जाना संभव है, साथ ही यह वातावरण के लिए भी मित्रवत् हैं।

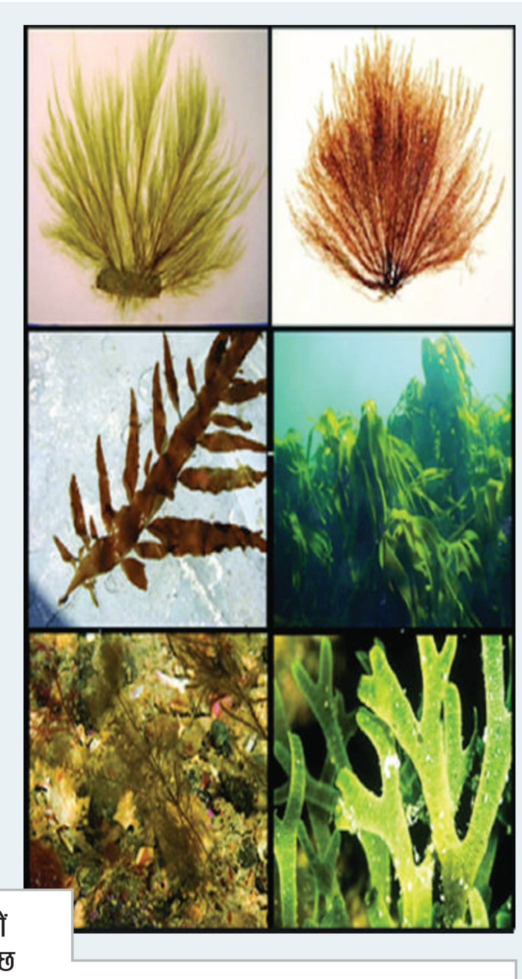

कहां मिलते हैं

शैवाल नम भूमि, समुद्री जल, मीठे जल, पेड़ों की छाल, नम दीवारों पर व हरी, भूरी या कुछ काली परतों पर भी आसानी से मिल जाते हैं। अधिकांश शैवाल पौधों के समान सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में प्रकाश संश्लेषण की क्रिया द्वारा अपना भोजन स्वयं बनाते हैं।

भूमाफिया और आदतन अपराधी हैं आजम खान, SC में बेल के विरोध में बोली योगी आदित्यनाथ सरकार

उत्तर प्रदेश सरकार ने सपा के सीनियर नेता आजम खान को भूमाफिया बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में जमानत का विरोध किया है। यही नहीं यूपी सरकार ने कहा कि आजम खान %आदतन अपराधी% हैं। यूपी सरकार की ओर से अदालत में पेश अडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आजम खान पहले ही भूमि कब्जाने के मामले में जांच अधिकारी को धमकी दे चुके हैं। जस्टिस एल. नागेश्वर राव की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष उन्होंने कहा, %आजम खान भूमाफिया हैं। उनके खिलाफ लोगों ने निजी तौर पर शिकायतें दर्ज कराई हैं। वह आदतन अपराधी हैं। हर चीज में उन्होंने धोखाधड़ी की है।

आजम खान की बेल पर सुप्रीम कोर्ट ने सुरक्षित रखा फैसला

यूपी सरकार के वकील ने कहा कि आजम खान अदालत से अंतरिम बेल की मांग कर रहे हैं, लेकिन इसकी परमिशन नहीं मिलनी चाहिए। अधिवक्ता ने कहा, उनके ऊपर कई ऐसे मुकदमे भी दर्ज हैं, जिनमें उम्रकैद तक की सजा का प्रावधन है। उन पर पहले से दर्ज मामलों पर भी ध्यान देना चाहिए क्योंकि वह आदतन अपराधी और भूमाफिया हैं। यूपी सरकार की ओर से कहा गया कि भले ही आजम खान नेता हैं, लेकिन इसके आधार पर उन पर दर्ज मामलों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। केस की सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने यूपी सरकार के अधिवक्ता से कहा कि राज्य सरकार एक मामले में आजम खान को बेल और दूसरी में जेल नहीं दे सकती। बेल अर्जी पर सुनवाई में देरी पर स्ष्ट ने जताई थी नाराजगी

आजम खान का पक्ष रख रहे सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके मुवक्किल दो सालों से जेल में बंद हैं। ऐसे में वह कैसे किसी के लिए भी खतरा हो सकते हैं या धमकी दे सकते हैं। फिलहाल अदालत ने दोनों ही पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद फैसले को सुरक्षित रख लिया है। इससे पहले कोर्ट ने यूपी सरकार से कहा था कि वह आजम खान की बेल की मांग पर जवाब दाखिल करे। यही नहीं कोर्ट ने एक सुनवाई में आजम खान की बेल की मांग पर सुनवाई में देरी को न्याय का मजाक बताते हुए नाराजगी जाहिर की थी। बेंच ने कहा था कि आजम खान को सिर्फ एक केस को छोड़कर सभी में बेल मिल गई है। यह न्याय का मजाक है। हम इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकते हैं।

आजम खान पर एनिमी प्रॉपर्टी कब्जाने का भी है आरोप

आजम खान के वकील ने अदालत ने कहा था कि हाई कोर्ट ने बेल की अर्जी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। बता दें कि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने 5 फरवरी को आजम खान की बेल पर अपना फैसला रिजर्व रख लिया था। यह एनिमी प्रॉपर्टी को कब्जाने से जुड़ा मामला था। आजम खान के खिलाफ दर्ज एक मामले में उन पर आरोप है कि उन्होंने एनिमी प्रॉपर्टी पर कब्जा जमाया है और करोड़ों रुपये के सार्वजनिक फंड का बेजा इस्तेमाल किया है। आरोप है कि विभाजन के बाद इमामुद्दीन कुरैशी पाकिस्तान चले गए थे और उनकी संपत्ति एनिमी प्रॉपर्टी के दायरे में आती थी। उस संपत्ति पर आजम खान ने कब्जा कर लिया है।

शरद पवार साथ मंच साझा करेंगी पंकजा और प्रीतम मुंडे

भाजपा के दिग्गज नेता रहे गोपीनाथ मुंडे का परिवार क्या पार्टी में खुश नहीं है? यह कयास महाराष्ट्र की राजनीति में एक घटनाक्रम से लग रहा है। गोपीनाथ मुंडे की दोनों बेटियां पंकजा और प्रीतम मुंडे गुरुवार को नेत्र चिकित्सालय के एक कार्यक्रम में एनसीपी के मुखिया शरद पवार के साथ मंच साझा करेंगी। इस कार्यक्रम में दोनों बहनों के अलावा कोई अन्य भाजपा नेता नहीं पहुंच रहा है, ऐसे में उनकी मौजूदगी की खबरों ने कयास तेज कर दिए हैं। शरद पवार के अलावा महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार के कई मंत्री इस इवेंट में रहेंगे। बता दें कि काफी वक्त से पंकजा और प्रीतम मुंडे भाजपा में खुद को उपेक्षित महसूस कर रही हैं।

आदित्य ठाकरे, धनंजय मुंडे समेत कई नेता होंगे शामिल

पंजाब मुंडे को भाजपा ने राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी दी है, जबकि उनकी बहन प्रीतम मुंडे सांसद हैं। गुरुवार को शरद पवार प्रभादेवी में एक ऑडिटोरियम में रघुनाथ नेत्रालय का उद्घाटन करने वाले हैं। इसकी स्थापना मशहूर नेत्र चिकित्सक डॉ. टीपी लहाणे ने की है। इसी इवेंट में पंकजा और प्रीतम मुंडे को भी आमंत्रित किया गया है। इस कार्यक्रम में आदित्य ठाकरे, धनंजय मुंडे भी शामिल होने वाले हैं। बता दें कि धनंजय भी मुंडे फैमिली से ही ताल्लुक रखते हैं। वह पंकजा और प्रीतम मुंडे के चचेरे भाई है। कांग्रेस नेता और राजस्व मंत्री बालासाहेब थोराट भी इसमें हिस्सा लेंगे। इसके अलावा महाराष्ट्र सरकार के मंत्री अमित देशमुख भी रहेंगे।

भाजपा नेता ने बताया, क्यों जा रहीं पंकजा और प्रीतम मुंडे

भाजपा के एक नेता ने नाम उजागर न करने की शर्त पर कहा, %डॉ. लहाणे वंजारी समुदाय से आते हैं, जो पश्चिमी महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में एक प्रभावशाली समुदाय है। मुंडे भी इसी समुदाय से हैं और उनके बीच यह कॉमन लिंक है। इसके अलावा लहाणे लातूर जिले से आते हैं, जो बीड़ के पड़ोस में ही हैं, जहां से पंकजा मुंडे और प्रीतम मुंडे ताल्लुक रखती हैं। इसके अलावा लहाणे के दोनों बहनों के पिता गोपीनाथ मुंडे से भी अच्छे संबंध थे।

ज्ञानवापी सर्वे पर रोक से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, शिवलिंग की जगह सील करने और नमाज जारी रखने का आदेश

ज्ञानवापी मस्जिद को लेकर छिड़े विवाद पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला दिया है। अदालत ने कहा कि जिस स्थान पर %शिवलिंग% मिला है, उसे सील कर दिया जाए और पूरी सुरक्षा दी जाए। शीर्ष अदालत ने जिला प्रशासन को आदेश देते हुए कहा कि शिवलिंग वाले स्थान को पूरी सुरक्षा दी जाए, लेकिन इसके चलते नमाज में बाधा नहीं आनी चाहिए। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए गुरुवार की तारीख तय कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, %अगली सुनवाई तक के लिए हम वाराणसी के डीएम को आदेश देते हैं कि शिवलिंग मिलने वाले स्थान की सुरक्षा की जाए, लेकिन मुस्लिमों को नमाज पढ़ने में कोई समस्या नहीं आनी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे पर रोक से किया इनकार

इसके साथ ही ज्ञानवापी मस्जिद के सर्वे पर रोक लगाने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस केस में निचली कोर्ट में सुनवाई चल रही है, ऐसे में जिला अदालत के फैसले का इंतजार करना चाहिए।

शीना बोरा हत्याकांड में बड़ा फैसला, इंद्राणी मुखर्जी को सुप्रीम कोर्ट ने दी जमानत

शीना बोरा हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बुधवार को बड़ा फैसला आया। कोर्ट ने मामले में मुख्य आरोपी इंद्राणी मुखर्जी को जमानत दे दी है। शीर्ष अदालत का कहना है कि उन्होंने पहले ही 6.5 साल से जेल में हैं। जस्टिस एल नागेश्व राव, बीआर गवई और एएस बोपन्ना की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। मुंबई पुलिस ने 25 अगस्त 2015 बेटी शीना की हत्या के आरोप में मुखर्जी को गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने कहा, %इंद्राणी मुखर्जी 6.5 साल से हिरासत में हैं। हम मामले के मेरिट्स पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं। भले ही अभियोजन पक्ष की तरफ से 50 फीसदी गवाहों को छोड़ दिया गया हो, लेकिन यह मुकदमा जल्दी खत्म नहीं होगा। उन्हें जमानत दी गई है।% शीर्ष अदालत ने कहा कि पीटर मुखर्जी पर लागू शर्तें इंद्राणी पर भी लागू होंगी।

सीबीआई का मामला यह है कि मुखर्जी ने पूर्व पति संजीव खन्ना, मौजूदा पति पीटर मुखर्जी और ड्राइवर श्यामवर राय की मदद से बोरा की हत्या कर दी थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने नवंबर 2021 में मुखर्जी की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था, जिसके बाद शीर्ष अदालत में अपील की गई। मुखर्जी की तरफ से कोर्ट में वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी पहुंचे थे।

न्यूज ब्रीफ

असम में बाढ़ का पानी घुसने से 4 लाख लोग प्रभावित, अब तक 8 की मौत

असम के इलाकों में बाढ़ का पानी घुसने से प्रभावित लोगों की संख्या पिछले दिन से दोगुनी होकर चार लाख से अधिक हो गई है, जबकि आपदा के कारण तीन और लोगों की मौत हो गई है। एक सरकारी बुलेटिन में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन से असम के बराक घाटी और दीमा हसाओ जिले और पड़ोसी राज्यों त्रिपुरा, मिजोरम और मणिपुर से रेल और सड़क संपर्क टूट गया है। अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में भूस्खलन ने कहर बरपाया और कई इलाकों में सड़क संपर्क टूट गया।

मानसून बंगाल की खाड़ी पहुंचा, गर्मी से मिलेगी राहत; आज यहां बरस सकते हैं बादल

भीषण गर्मी से तप रहे देश के लिए राहत भरी खबर है। मानसून ने अंडमान सागर और बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी हिस्से में दस्तक दे दी है। केरल में यह 27 मई तक पहुंच जाएगा। मौसम विभाग ने सोमवार को कहा,मानसून अगले दो तीन दिनों में पूरे अंडमान सागर, अंडमान निकोबार द्वीप समूहों, मध्यपूर्व बंगाल की खाड़ी में छा जाएगा। आमतौर पर इन क्षेत्रों में मानसून 22 मई को सक्रिय होता है। इस बार यह छह दिन पहले सक्रिय हो गया है। वहीं, केरल में यह सामान्य तिथि से पांच दिन पहले पहुंच सकता है।

राजधानी को आज भी लू से राहत के आसार

मौसम विभाग के मुताबिक, राजधानी में मंगलवार को भी धूल भरी आंधी और हल्के बादलों के आसार हैं। इस वजह से लोगों को लू से राहत रहेगी। वहीं, उत्तर-पश्चिमी और मध्य भारत के राज्यों को भी लू से राहत की उम्मीद है। विभाग ने कहा कि इन राज्यों में लू में कमी आने की संभावना है।

राज्यसभा चुनाव के लिए संभाजी राजे का समर्थन वापस लेगी शिवसेना? क्या बन रहे समीकरण

शिवसेना ने मंगलवार को घोषणा की कि पार्टी राज्यसभा चुनाव के लिए दो उम्मीदवार उतारेगी, जो 10 जून को महाराष्ट्र की छह सीटों के लिए होने वाले हैं। शिवसेना के सांसद संजय राउत को फिर से मनोनीत करने की संभावना है, जिनका कार्यकाल 4 जुलाई को समाप्त हो रहा है। हालांकि इससे पहले छत्रपति संभाजी राजे के नाम पर चर्चाएं थीं. लेकिन ऐसे संकेत मिल रहे हैं कि शिवसेना संभाजी को समर्थन नहीं देगी। उधर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) और कांग्रेस - महाराष्ट्र विकास अघाड़ी (एमवीए) में दो अन्य सहयोगी एक-एक उम्मीदवार को मैदान में उतारेंगे।

राज्य के संसदीय मामलों के मंत्री और शिवसेना नेता अनिल परब ने कहा कि एमवीए नेता रणनीति बनाएंगे कि चौथे उम्मीदवार को ऐसे समय में कैसे चुना जाए जब निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे छत्रपति संभाजी राजे ने सभी राजनीतिक दलों से वोट मांगे थे। पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि नेतृत्व मराठा राजा छत्रपति शिवाजी के वंशज संभाजी राजे को उम्मीदवारी देने के लिए तैयार है, अगर वह शिवसेना में शामिल हो जाते हैं।

परब जो सीएम और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के करीबी माने जाते हैं ने कहा, इस समय, मैं केवल यह कह सकता हूं कि शिवसेना का दूसरा उम्मीदवार उच्च सदन के लिए चुना जाएगा। उम्मीदवार शिवसेना के कोटे से एमवीए का होगा। बयान से यह भी पता चलता है कि पार्टी संभाजी राजे को निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में समर्थन देने को तैयार नहीं है। दूसरी ओर, एनसीपी प्रमुख शरद पवार पहले ही संकेत दे चुके हैं कि एमवीए घटकों के पास एक-एक उम्मीदवार को चुनने के लिए पर्याप्त वोट हैं और गठबंधन के अधिशेष वोट संभाजी राजे को दिए जा सकते हैं। शिवसेना के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि पवार और ठाकरे ने 14 मई को राज्यसभा के लिए उम्मीदवारी पर चर्चा की और फैसला किया कि ठाकरे अंतिम फैसला करेंगे।

आ गए 28 घंटे तक चलने वाले नए सेन्हाइज़र ईयरबड्स, इसपर पानी-पसीने भी बेअसर; कीमत

लंबी बैटरी लाइफ वाले ईयरबड्स की तलाश है, तो सेन्हाइज़र के नए ईयरबड्स भारत में आ चुके हैं, जो 28 घंटे तक चलेंगे। दरअसल, सेन्हाइज़र ने आज भारतीय बाजार में सेन्हाइज़र मोमेंटम ट्रू वायरलेस 3 के लॉन्च के साथ अपनी मल्टी-अवॉर्ड विनिंग मोमेंटम सीरीज का विस्तार किया। मोमेंटम ट्रू वायरलेस 3 साउंड क्वालिटी, एडॉप्टिव नॉइज कैंसिलेशन (एएनसी) और वियरिंग कंफर्ट के मामले में नए स्टैंडर्ड स्थापित करता है। हाई क्वालिटी मटेरियल और सटीक कारीगरी का उपयोग करके बनाए गए ये ईयरबड कई प्रकार की धांसू फीचर्स की पेशकश करते हैं जो सुनने के एक्सपीरियंस को एक नए स्तर पर ले जाते हैं। क्या है खास चलिए जानते हैं...

सुपीरियर साउंड एक्सपीरियंस

अपने पिछले मॉडल की तरह, मोमेंटम ट्रू वायरलेस 3 आउटस्टैंडिंग साउंड क्वालिटी प्रदान करता है, जो सेन्हाइज़र के ट्रू रिस्पांस ट्रांसड्यूसर के आसपास केंद्रित है। जर्मनी में निर्मित डायनामिक 7 मिमी ड्राइवरों पर बेस्ड, यह गहरे बास, नैचुलर मिड और डिटेल्ड हाई के साथ एक इमर्सिव स्टीरियो साउंड उत्पन्न करता है। नया साउंड पर्सनलाइजेशन फीचर हर यूजर की इंडिविजुअल हियरिंग के लिए सही साउंड सेट करने के लिए गाइडेड लिस्निंग टेस्ट के माध्यम से एक बेहतर साउंड एक्सपीरियंस प्रदान करता है। इसके अलावा, स्मार्ट कंट्रोल ऐप यूजर के टेस्ट के लिए साउंड को तैयार करने के लिए प्रीसेट और एक इक्वलाइज़र फीचर का विकल्प प्रदान करता है।

चूंकि मोमेंटम ट्रू वायरलेस 3 को रोजमर्रा की जिंदगी के लिए बनाया गया था, विशेष रूप से घूमने-फिरने के लिए, सेन्हाइज़र ने विशेष रूप से एडॉप्टिव नॉइज कैंसिलेशन के साथ ईयरबड्स में सुधार किया है, जो ऑटोमैटिकली आपके वातावरण में एडजस्ट हो जाता है। सिस्टम, रियल टाइम में इसे दबाने के लिए आसपास की आवाज को लगातार देखता है। जो यूजर ट्रेन की अनाउंसमेंट जैसी चीजो को सुनने के लिए अपने आस-पास के बारे में जागरूक होना चाहते हैं, उदाहरण के लिए, एक बटन के टच पर नॉइज कैंसिलेशन को डिएक्टिवेट कर सकते हैं, या ट्रांसपेरेंसी मोड पर स्विच कर सकते हैं।

ऑडियो और विजुअल कंटेंट के बीच बेस्ट पॉसीबल सिंक्रनाइज़ेशन के लिए, मोमेंटम ट्रू वायरलेस 3 ऑडियो कोडेक्स की एक विस्तृत सीरीज का भी सपोर्ट करता है, जैसे कि,ष्ट, स्ब्ष्ट और ड्डश्चह्लङ्ग एडॉप्टिव, जो लेटेंसी को न्यूनतम तक कम करते हैं। इसके अलावा, प्रत्येक ईयरबड में अब तीन माइक्रोफोन हैं जो क्रिस्टल-क्लियर कॉल क्वालिटी को बढ़ावा देते हैं, जिससे सुचारू और आसानी से पालन की जाने वाली वीडियो कॉल को सक्षम किया जा सकता है।

PRESS
ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्तम्भ

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, टिवीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अपठित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड
डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

न्यूज ब्रीफ

इस खास अंपायर% से सीखा है उमरान मलिक ने पंच सेलिब्रेशन

Sunrisers Hyderabad के तेज गेंदबाज Umran Malik के लिए आईपीएल 2021 का सीजन अभी तक यादगार रहा है। मंगलवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ उमरान ने तीन ओवर में 23 रन खर्चकर तीन विकेट चटकाए। उमरान ने ईशान किशन, डैनियल सैम्स और तिलक वर्मा के अहम विकेट चटकाकर सनराइजर्स हैदराबाद की जीत की नींव रखी। सनराइजर्स हैदराबाद ने तीन रन से यह मैच जीता। मैच के दौरान विकेट लेने के बाद उमरान का पंच सेलिब्रेशन काफी चर्चा में है। मुंबई इंडियंस के बाद उन्होंने बताया कि यह खास सेलिब्रेशन उन्होंने एक खास अंपायर से सीखा है।

मैच के बाद भुवनेश्वर कुमार से बातचीत के दौरान उमरान ने कहा, जब हम नेट्स में गेंदबाजी करते हैं तो टीम के बॉलिंग कोच डेल स्टेन अंपायर होते हैं। मैं जब नेट्स में विकेट लेता हूं तो स्टेन ऐसे ही पंच सेलिब्रेशन करते हैं और मैंने उनको देखकर यह करना शुरू किया और अब यह मेरी आदत बन गई है।% उमरान ने इस आईपीएल सीजन में 13 मैचों में कुल 47 ओवर गेंदबाजी की है, इस दौरान उन्होंने 8.93 के इकॉनमी रेट से रन खर्चे और 20 की औसत से 21 विकेट लिए हैं। भुवनेश्वर कुमार ने जब उनसे पूछा कि क्या टेनिस गेंद से गेंदबाजी करने से उन्हें तेज गेंद फेंकने में मदद मिली तो उमरान ने कहा, मैं टेनिस गेंद से भी यॉर्कर डालता था और बहुत तेज यॉर्कर गेंद तब भी कोई मेरी गेंद का सामना नहीं करना चाहता था।

बांग्लादेश के लिए ऐसा करने वाले पहले टेस्ट बल्लेबाज बने मुशफिकुर रहीम, तमीम इकबाल छूटे पीछे

बांग्लादेश के सीनियर विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के चौथे दिन लंच ब्रेक तक 85 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 5000 रनों का आंकड़ा पार कर लिया। मुशफिकुर ने 81वें टेस्ट की 149वीं पारी में यह कारनामा किया है। बांग्लादेश की ओर से 5000 टेस्ट रन बनाने वाले मुशफिकुर पहले बल्लेबाज हो गए हैं। उनके बाद दूसरे नंबर पर तमीम इकबाल हैं, जिनके खाते में फिलहाल 4981 रन हैं। मुशफिकुर से पहले तमीम इस आंकड़े को छूने के बहुत करीब थे, लेकिन मैच के तीसरे दिन क्रैम्प के चलते उन्हें रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। तमीम उस समय 133 रन बनाकर खेल रहे थे। तमीम ने अगल 19 रन और बना लिए होते तो उनके 150 रन इस पारी में हो जाते और वह मुशफिकुर से पहले 5000 रनों का आंकड़ा भी छू लेते। इन दोनों के बाद तीसरे नंबर पर शाकिब अल हसन का नंबर आता है। शाकिब के खाते में अभी कुल 4029 रन दर्ज हैं, और वह फिलहाल इन दोनों से काफी पीछे हैं।

मुंबई इंडियंस हारी जरूर, लेकिन सनराइजर्स हैदराबाद का कर दिया काम खराब

आईपीएल 2022 के प्लेऑफ की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी मुंबई इंडियंस ने सनराइजर्स हैदराबाद की मुश्किलें भी बढ़ा दी हैं। भले ही मुंबई इंडियंस के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद ने जीत दर्ज कर ली हो, लेकिन मुंबई ने हैदराबाद का काम खराब कर दिया है। जी हां, मुंबई इंडियंस को इस मैच में 3 रन से हार मिली, लेकिन इसका फायदा हैदराबाद को ज्यादा नहीं हो सका, जिसकी उम्मीद की जा रही थी।

दरअसल, मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को उम्मीद थी कि वे बड़ा स्कोर बनाएंगे और मुंबई को जल्दी आउट करके आईपीएल 2022 की प्वाइंट्स टेबल के नेट रन रेट में सुधार करेंगे, लेकिन ये मुकाबला आखिरी ओवर तक चला, जहां हैदराबाद को सिर्फ तीन रन से जीत मिली। ऐसे में अगर 14 अंकों पर प्लेऑफ के क्वालीफिकेशन की बात होगी तो हैदराबाद बाहर हो सकती है।

आईपीएल 2022 में पहले दो मैच हारने के बाद लगातार पांच मैच जीतने वाली सनराइजर्स हैदराबाद को छठा मैच जीतने में 5 मैच गंवाने पड़े। इस तरह अब 13 मैचों के बाद 6 जीत के साथ हैदराबाद की टीम आईपीएल 2022 की प्वाइंट्स टेबल में 8वें पायदान पर है। नेट रन रेट की बात करें तो हैदराबाद सिर्फ आरसीबी से बेहतर है, लेकिन आरसीबी अगर अपना अगला मैच जीत जाती है तो हैदराबाद बाहर हो जाएगी।

इस मैच की बात करें तो मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया था। ऐसे में सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी करने उतरी और 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 193 रन बनाए दिए। मुंबई के सामने जीत के लिए 194 रन का लक्ष्य था, लेकिन टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 190 रन बना सकी और मुकाबला 3 रन से हार गई। ये आईपीएल 2022 में मुंबई की 10वीं हार है।

सनराइजर्स हैदराबाद के लिए राहुल त्रिपाठी ने 76 रन बनाए, जबकि प्रिय गर्ग ने 42 रन की पारी खेली और निकोलस पूरन 38 रन बनाकर पवेलियन लौटे। मुंबई के लिए रमनदीप सिंह को 3 विकेट मिले। वहीं, मुंबई की तरफ से कप्तान रोहित शर्मा 48 रन बनाकर, ईशान किशन 43 रन बनाए और टिम डेविड 46 रन बनाकर रन आउट हुए। उमरान मलिक ने हैदराबाद के लिए तीन विकेट चटकाए।

अब कैसे प्लेऑफ में पहुंचेगी SRH, मुंबई इंडियंस से कहां हो गई चूक, जानिए मैच के वो 3 टर्निंग प्वाइंट

आईपीएल 2022 का 65वां मैच मंगलवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला गया। इस मैच को हैदराबाद ने 3 रन से जीतकर प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को बरकरार रखा। मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया। ऐसे में सनराइजर्स हैदराबाद की बल्लेबाजी करने उतरी और 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 193 रन बनाए। मुंबई के सामने जीत के लिए 194 रन का लक्ष्य था, लेकिन टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 190 रन बना सकी और मुकाबला 3 रन से हार गई। मैच के दौरान कई ऐसे अहम मोड़ आए, जिसमें लग रहा था कि दोनों टीमों में से कोई भी यहां से बाजी मार सकती है, लेकिन किस्मत ने आखिरकार स्क्रा॥ का ही साथ दिया। आइये अब आपको इस मैच से जुड़े 3 अहम पड़ाव के बारे में बताते हैं।

टिम डेविड की तूफानी पारी

हैदराबाद से मिले 194 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही मुंबई इंडियंस को कप्तान रोहित शर्मा और ईशान किशन ने पहले विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी करके मजबूत शुरुआत दी। हालांकि इसके बाद टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाती चली गई। लेकिन फिर टिम डेविड नाम का तूफान आया और ऐसा लगा कि वह हैदराबाद से मैच छीन ले जाएगा। डेविड ने 18वें ओवर में टी नटराजन की गेंदों पर लगातार चार छक्के मारे और 8 गेंदों पर ही 31 रन की साझेदारी कर डाली। हालांकि इसी ओवर में वह रन आउट हो गए। डेविड ने 18 गेंदों पर 46 रनों की तूफानी पारी खेली। इसमें उन्होंने 3 चौके और 4 छक्के लगाए।

भुवनेश्वर कुमार का 19वां ओवर मेडन

मुंबई को मैच जीतने के लिए अंतिम दो ओवर में 19 रन बनाने थे। लेकिन भुवनेश्वर कुमार ने 19वां ओवर विकेट सहित मेडन डालकर मुंबई को जीत से बहुत दूर धकेल दिया। भुवी ने इस ओवर में संजय यादव को आउट करके अपना पहला विकेट चटकाया। उनका यह मेडन ओवर भी मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ और मुंबई इंडियंस को 3 रन से हार का सामना करना पड़ा।

जीतकर भी हैदराबाद को नहीं हुआ फायदा

190 से ज्यादा रन बनाने के बाद भी हैदराबाद केवल 3 रन से ही मैच जीत पाई। इसके चलते वह अपने नेट रन रेट में कुछ खास सुधार नहीं कर पाई। इस मैच में मुंबई इंडियंस हारी जरूर, लेकिन उसने सनराइजर्स हैदराबाद का काम खराब कर दिया। सनराइजर्स हैदराबाद को उम्मीद थी कि वे बड़ा स्कोर बनाएंगे और मुंबई को जल्दी आउट करके आईपीएल 2022 की प्वाइंट्स टेबल के नेट रन रेट में सुधार करेंगे, लेकिन ये मुकाबला आखिरी ओवर तक चला, जहां हैदराबाद को सिर्फ तीन रन से जीत मिली। ऐसे में अगर 14 अंकों पर प्लेऑफ के क्वालीफिकेशन की बात होगी तो हैदराबाद बाहर हो सकती है।

आईपीएल 2022 में पहले दो मैच हारने के बाद लगातार पांच मैच जीतने वाली सनराइजर्स हैदराबाद को छठा मैच जीतने में 5 मैच गंवाने पड़े। इस तरह अब 13 मैचों के बाद 6 जीत के साथ हैदराबाद की टीम आईपीएल 2022 की प्वाइंट्स टेबल में 8वें पायदान पर है। नेट रन रेट की बात करें तो हैदराबाद सिर्फ आरसीबी से बेहतर है, लेकिन आरसीबी अगर अपना अगला मैच जीत जाती है तो हैदराबाद बाहर हो जाएगी।

सूर्यकुमार यादव के रिप्लेसमेंट के तौर पर मुंबई इंडियंस के साथ जुड़ा ये खिलाड़ी, हो गया ऐलान

मुंबई इंडियंस के प्रमुख बल्लेबाजों में शुमार सूर्यकुमार यादव को आईपीएल 2022 से चोट के कारण बाहर होना पड़ा था। ऐसे में मुंबई इंडियंस ने एक नए खिलाड़ी के साथ करार किया है, जो सूर्यकुमार यादव का रिप्लेसमेंट इस सीजन के लिए होगा। 30 घरेलू मैच खेल चुके आकाश मधवाल मुंबई इंडियंस के साथ जुड़ेंगे। आईपीएल 2022 में मुंबई इंडियंस को अब सिर्फ दो मैच ही खेलने हैं।

मुंबई इंडियंस ने सूर्यकुमार यादव के स्थान पर आकाश मधवाल को अनुबंधित किया है। सूर्यकुमार यादव की तरह आकाश मधवाल बल्लेबाज नहीं हैं। वे एक गेंदबाज हैं। वे सपोर्ट टीम के हिस्से के रूप में मुंबई इंडियंस के साथ रहे हैं और अब उन्होंने 2022 सीजन के लिए टीम में शामिल होने के लिए साइन किया है।

आकाश मधवाल दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं और 2019 में घरेलू क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से खेल के तीनों प्रारूपों में क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। आकाश को सपोर्ट टीम में शामिल होने के लिए एमआई प्रेसिजन कैंप में चुना गया था और काफी समय से वे अपना प्रदर्शन खेमे के भीतर रहकर कर रहे हैं। मुंबई इंडियंस के लिए वैसे भी इस सीजन में कुछ बाकी नहीं रहा है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम को दो मैच जरूर खेलने हैं, लेकिन टीम काफी समय पहले आईपीएल 2022 के प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई थी। पांच बार की आईपीएल चैंपियन मुंबई इंडियंस ने इस सीजन में अब तक खेले 12 मैचों में 9 मुकाबले गंवाए हैं और सिर्फ तीन ही मैचों में जीत दर्ज की है।

भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए द. अफ्रीकी टीम का ऐलान, स्टब्स को मिला पहली बार मौका

9 जून से 19 जून के बीच दक्षिण अफ्रीका को भारत में पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। इस सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका ने 16 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। एनरिच नोर्खिया की टीम में वापसी हुई है, जबकि ट्रिस्टन स्टब्स को पहली बार टीम में मौका दिया गया है। 16 सदस्यीय टीम में ज्यादातर खिलाड़ी इस समय भारत में ही हैं और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में खेल रहे हैं। आईपीएल 2022 का फाइनल मैच 29 मई को खेला जाना है। ऐसा माना जा रहा है कि टीम इंडिया की ओर से इस सीरीज के लिए रोहित शर्मा और विराट कोहली को आराम दिया जा सकता है।

दक्षिण अफ्रीकी टी20 टीम- टेम्बा बवुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, रीजा हेंड्रिक्स, हेनरिच क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्करम, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिच नोर्खिया, वायने पार्नेल, ड्वेन प्रिटॉरियस, कगीसो रबाडा, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डर डसन, मार्को जैनसेन।

विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, केएल राहुल, मोहम्मद शमी, रविचंद्रन अश्विन, रविंद्र जडेजा और चेतेश्वर पुजारा को इंग्लैंड दौरे में शामिल किया जाएगा, जबकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इन्हें आराम दिया जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले पांच टी20 मैचों में आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को जगह दी जा सकती है।

धोनी के बिना सीएसके की कल्पना करो, वायरल हो गया रैना का यह कमेंट

Chennai SuperKings से MS Dhoni और Suresh Raina का कनेक्शन बहुत खास रहा है। सीएसके के फैन्स अगर धोनी को थाला कहकर पुकारते हैं, तो सुरेश रैना को चिन्ना थाला कहकर। रैना इस सीजन में सीएसके के लिए नहीं खेले। पिछले सीजन के बाद उन्हें रिटेन नहीं किया गया और आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन में किसी टीम ने उन पर दांव नहीं लगाया। रैना इस बार आईपीएल में अलग रोल में नजर आए, मैदान पर बल्ला थामने की जगह उन्होंने कमेंटरी बॉक्स में माइक थाम लिया। इस सीजन से ठीक पहले धोनी ने सीएसके की कप्तानी छोड़ी और रविंद्र जडेजा टीम के नए कप्तान बने, लेकिन लगातार हार के बाद जडेजा ने धोनी को वापस कप्तानी सौंप दी। कई क्रिकेट पंडितों का मानना है कि खिलाड़ी के तौर पर यह धोनी का आखिरी सीजन होगा और वह अगले साल सीएसके के मेंटॉर या हेड कोच के तौर पर नजर आ सकते हैं। धोनी को लेकर सीएसके के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से एक पोस्ट की गई, जिस पर सुरेश रैना ने ऐसा कमेंट किया, जो वायरल हो गया।

धोनी की फोटो शेयर करते हुए सीएसके की तरफ से लिखा गया, जब-जब धोनी मैदान पर उतरते हैं, तो लोग धोनी-धोनी चिल्लाते हैं और इससे बेहतर कुछ और नहीं। इस पर रैना ने कमेंट में लिखा, धोनी के बिना सीएसके की कल्पना करो। धोनी के बिना सीएसके के बारे में सोच पाना वैसे किसी भी फैन के लिए मुश्किल ही है।

2008 में धोनी इस फ्रेंचाइजी टीम से जुड़े और अपनी कप्तानी में चार खिताब भी जिताए। धोनी ने अगस्त 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया और ठीक उसी तारीख को उनके बाद रैना ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद कोविड-19 के चलते रैना आईपीएल शुरू होने से पहले सीएसके का साथ छोड़कर स्वदेश लौट आए थे। ऐसा माना जा रहा था कि वह रैना का सीएसके के साथ आखिरी सीजन था, लेकिन 2021 में रैना ने सीएसके के लिए वापसी की और तब टीम ने खिताब भी अपने नाम किया। हालांकि इस सीजन के लिए उन्हें सीएसके का साथ नहीं मिला।

SUPER HERO
यदि आप
किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा सयुंक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle), ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

HDFC बैंक ने भी किया स्नष्ठ की दरों में बदलाव

पहले ICICI Bank फिर फेडरल बैंक और अब देश के एक और बड़े प्राइवेट बैंक ॥ष्ठस्नष्ट ने भी 2 करोड़ रुपये से कम के फिक्सड डिपॉजिट की दरों में बदलाव किया है। जिसके बाद अब अलग-अलग समय के लिए एफडी पर पहले की तुलना में ज्यादा ब्याज मिलेगा। बता दें, नई दरें 18 मई 2022 से प्रभावी रहेंगी।

सामान्य नागरिकों को बैंक 7 दिन से 29 दिन के एफडी पर 2.50 प्रतिशत ब्याज, 30 से 90 दिन के एफडी पर 3 प्रतिशत ब्याज दे रहा है। वहीं, 91 दिन से 6 महीने की एफडी पर बैंक 3.50त्न ब्याज दे रहा है। अगर कोई ग्राहक 6 महीने 1 दिन से 9 महीने तक के के लिए एफडी करवाता है तो उसे 4.40त्न ब्याज मिलेगा। बैंक ने 9 महीने एक दिन से 1 साल से कम की एफडी पर 10 बेसिस प्वाइंट का इजाफा किया है। आइए जानते हैं बैंक किस टाइम पीरियड के लिए कितना ब्याज दे रहा है-

सरकारी तेल कंपनी का दोहरा तोहफा, बोनस शेयर और डिविडेंड देने की तैयारी

सरकारी कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के बोर्ड ने बोनस शेयर जारी करने को अपनी मंजूरी दे दी है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करना रिकमंड किया है। यानी, जिन निवेशकों के पास कंपनी के 2 शेयर होंगे, उन्हें 1 बोनस शेयर मिलेगा। कंपनी के बोर्ड ने बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट 1 जुलाई 2022 फिक्स की है। इंडियन ऑयल के शेयर मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में करीब 2 फीसदी की तेजी के साथ 124.40 रुपये पर बंद हुए हैं।

हर शेयर पर कंपनी दे रही 3.60 रुपये का फाइनल डिविडेंड

ऑयल मार्केटिंग कंपनी IOC के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए 10 रुपये फेस वैल्यू (बोनस से पहले) वाले हर शेयर पर 3.60 रुपये का फाइनल डिविडेंड रिकमंड किया है, जो कि बोनस शेयर के बाद प्रति शेयर 2.40 रुपये का फाइनल डिविडेंड हो जाएगा। फाइनल डिविडेंड का भुगतान त्रमें डेट ऑफ डिक्लेरेशन से 30 दिन के भीतर कर दिया जाएगा। सरकारी ऑयल कंपनी ने फाइनेंशियल ईयर 2021-22 के लिए फाइनल डिविडेंड के अलावा हर शेयर पर 9 रुपये का अंतरिम डिविडेंड दिया है।

कंपनी को मार्च तिमाही में 6,645 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट

सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनी को मार्च 2022 को खत्म तिमाही में 6,645.72 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ है। पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले सरकारी कंपनी का मुनाफा 26.37 फीसदी घटा है। पिछले साल की मार्च तिमाही में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन को 9,026.49 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ था। ऑपरेशंस से हासिल होने वाला कंपनी का रेवेन्यू 26.13 फीसदी बढ़कर 209,049.16 करोड़ रुपये रहा है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 1,65,734.27 करोड़ रुपये रहा था।

LIC का बुरा हश्र! अब भारत पेट्रोलियम में हिस्सेदारी बेचने पर बदला सरकार का मूड

देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की शेयर बाजार में खराब शुरुआत के बाद अब सरकार सतर्क नजर आ रही है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की खबर के मुताबिक सरकार भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (BPCL) में समूची हिस्सेदारी नहीं बेचेगी। रिपोर्ट में सरकारी अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि सरकार BPCL में 20-25 फीसदी तक की हिस्सेदारी बेच सकती है। इसके लिए बोलियां आमंत्रित करने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि, अभी बातचीत शुरुआती चरण में है।

बेचनी थी समूची हिस्सेदारी- अब तक सरकार ने अपनी समूची हिस्सेदारी 52.98त्न बेचकर 8 से 10 अरब डॉलर जुटाने का लक्ष्य रखा था। इसके लिए बोलियां भी आमंत्रित कर दी गई थीं। कोरोना की वजह से विनिवेश की प्रक्रिया धीमी थी।

बीपीसीएल के लिए तीन रुचि पत्र (ईओआइ) मिले। इनमें से एक पेशकश उद्योगपति अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाले वेदांता समूह की ओर से आई है। वेदांता के अलावा निजी इक्विटी कंपनियां अपोलो ग्लोबल और आई स्कावयर्ड की पूंजीगत इकाई थिंक गैस शामिल हैं।

हालांकि, बीपीसीएल की आंशिक बिक्री भी इस वित्तीय वर्ष में पूरी होने की संभावना नहीं है क्योंकि इस प्रक्रिया में 12 महीने से अधिक का समय लगेगा। बहरहाल, बीपीसीएल की पूर्ण हिस्सेदारी बिक्री पर पीछे हटना सरकार की निजीकरण योजनाओं में धीमी प्रगति का प्रतीक है। आपको बता दें कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने साल 2020 में बैंकों, खनन कंपनियों और बीमा कंपनियों सहित अधिकांश सरकारी कंपनियों के निजीकरण की योजना की घोषणा की। हालांकि, यह संभव नहीं हो सका।

रुढ्ढष्ट का बुरा हश्र- मंगलवार को शेयर बाजार में एलआईसी का बुरा हश्र हुआ। शेयर बाजार में एलआईसी की लिस्टिंग इश्यू प्राइस पर आठ प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ हुई। बीएसई पर कंपनी का शेयर 949 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले 872 रुपये प्रति शेयर के भाव पर सूचीबद्ध हुआ। वहीं एनएसई पर एलआईसी के शेयर 867.20 रुपये पर सूचीबद्ध हुए। यह इश्यू प्राइस से 77 रुपये कम है।

तीन दिन में ही निवेशकों को तगड़ा मुनाफा देने वाले ये हैं 3 शेयर

भारतीय जीवन बीमा निगम के शेयर लिस्टिंग के दिन भले ही अपने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया हो, लेकिन बहुत सारे बीमा उत्पादों को बचेने के लिए डिजिटल प्लैटफार्म उपलब्ध कराने वाली कंपनी पॉलिसी बाजार के शेयर पिछले 3 सत्रों में निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिए हैं। महज 3 सत्रों में ही अच्छा रिटर्न देने वाले मिड कैप और लार्ज कैप स्टॉक्स में पॉलिसी बाजार दूसरे नंबर पर है। पहले नंबर पर RattanIndia Infra का नाम है।

एनएसई पर RattanIndia Infra ने पिछले 3 सत्रों में 39.52 फीसद की उड़ान भरी है। मंगलवार को यह स्टॉक बढ़त के साथ 43.60 रुपये पर बंद हुआ। पिछले एक साल में यह स्टॉक 193 फीसद उछल चुका है। इसका 52 हफ्ते का हाई 71 रुपये और लो 14.15 रुपये है। वहीं, RattanIndia Infra का शेयर पिछले 3 साल में 2026.83 फीसद रिटर्न दिया है।

इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर पॉलिसी बाजार है, जिसने 3 दिन में ही अपने निवेशकों को 27.09 फीसद रिटर्न दिया है। Policy Bazaar का शेयर मंगलवार को 4.17 फीसद की उछाल के साथ 698.50 रुपये पर बंद हुआ। हालांकि यह स्टॉक पिछले 3 महीने में 8.50 फीसद और एक महीने में 9.98 फीसद गिरा है। अगर एक हफ्ते की बात करें तो यह 22.92 फीसद चढ़ चुका है। इसका 52 हफ्ते का हाई 1470 रुपये और लो 540.10 रुपये है।

मुनाफा कमाने वाले स्टॉक्स की इस लिस्ट में तीसरा नाम Elgi Equipments का है, जिसने 3 सत्रों में 24.56 फीसद का रिटर्न दिया है। यह स्टॉक एनएसई पर मंगलवार को 8.13 फीसद उछलकर 323.30 रुपये पर बंद हुआ। Elgi Equipments पिछले तीन महीने में 13.86 फीसद का नुकसान कराया है। हालांकि एक साल पहले इसमें निवेश करने वालों को 52.72 फीसद का फायदा नजर आ रहा है। वहीं, जिसने 3 साल पहले इस स्टॉक में पैसा लगाया है, उसकी पूंजी 146 फीसद बढ़ गई है।

बता दें शेयर बाजार में मंगलवार को रौनक रही। सेंसेक्स 1,344.63 अंक यानी 2.54 फीसद बढ़कर 54,318.47 पर पंहुचा गया। दिन के कारोबार के दौरान यह एक समय 1,425.58 अंक के उछाल के साथ 54,399.42 अंक तक पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 417 अंक यानी 2.63 फीसद की बढ़त लेकर 16,259.30 अंक पर बंद हुआ सेंसेक्स और निफ़्टी में 15 फरवरी, 2022 के बाद किसी एक दिन में दर्ज की गई यह सबसे बड़ी वृद्धि है।

835 रुपये तक जा सकता है इस कंपनी के शेयर का भाव! पिछले 6 महीने में निवेशक हुए मालामाल

शारदा क्रॉपकेम (Sharda Cropchem) ने पिछले पांच सत्रों में 10.95 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वह भी तब जब सेंसेक्स में महज 0.35 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, अगर हम बीते 6 महीने की बात करें तो BSE में 8.92% की गिरावट देखने को मिली है। जबकि इस स्टॉक ने इस दौरान 110.84त्न का रिटर्न दिया है। इस साल अभी तक इस शेयर ने 98.43% का रिटर्न दिया है। कंपनी के हालिया प्रकाशित तिमाही नतीजों को देखते हुए ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी ने टारगेट प्राइस में बदलाव किया है।

835 रुपये तक जाएगा शेयर का भाव!

ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी ने कंपनी के प्रदर्शन के बाद स्टॉक के टारगेट प्राइस में बदलाव किया है। कंपनी मौजूदा शेयर का भाव 706 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म ने जिसे बढ़ाकर 835 रुपये कर दिया है। बता दें, वित्त वर्ष 2022 में कंपनी का मार्केट रेवन्यू 1088.13 करोड़ रुपये से बढ़कर 1434.50 करोड़रुपये हो गया है। यानी 31.8त्न का इजाफा देखने को मिला है। वहीं, कंपनी के नेट प्रॉफिट में 32.2त्न का इजाफा हुआ है।

रसोई का बजट बिगाड़ रहे खाद्य तेल, पेंट-वार्निश कारखानों में हो रही 23 फीसद खपत

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि देश का 23 फीसद खाद्य तेल पेंट और वार्निश सरीखे उत्पादों के कारखानों में जा रहा है और खाने के तेलों के मामले में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के मद्देनजर इस प्रवृत्ति पर रोक जरूरी है। आईसीएआर अधिकारी ने यह बात ऐसे वक्त कही है, जब देश में खाद्य तेलों की महंगाई आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ रही है। आईसीएआर के सहायक महानिदेशक (तिलहन और दलहन) डॉ. संजीव गुप्ता ने बताया कि भारत फिलहाल अपनी जरूरत का करीब 60 फीसद खाद्य तेल आयात कर रहा है, जिस पर देश को 1.17 लाख करोड़ रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं।

इंदौर में सोयाबीन रिफाइंड के भाव में कमी

खाद्य तेल बाजार में मंगलवार को सोयाबीन रिफाइंड के भाव में सात रुपये प्रति 10 किलोग्राम की कमी हुई। आज पाम तेल 10 रुपये प्रति 10 किलोग्राम सस्ता बिका। तिलहन में सरसों के भाव में 100 रुपये प्रति क्विंटल कम हुए।

तिलहन

सरसों (निमाड़ी) 6400 से 6500,

नया रायड़ा 6300 से 6400 रुपये प्रति क्विंटल।

तेल

मूंगफली तेल इंदौर 1630 से 1650,

सोयाबीन रिफाइंड इंदौर 1570 से 1575,

सोयाबीन साल्वेंट 1550 से 1555,

पाम तेल 1650 से 1655 रुपये प्रति 10 किलोग्राम।

कपास्या खली

कपास्या खली इंदौर 2125,

कपास्या खली देवास 2125,

कपास्या खली उज्जैन 2125,

कपास्या खली खंडवा 2100,

कपास्या खली बुरहानपुर 2100 रुपये प्रति 60 किलोग्राम बोरी।

कपास्या खली अकोला 3225 रुपये प्रति क्विंटल।

इंदौर में मसूर- मूंग के भाव में तेजी

40% डिविडेंड दे रही तनेजा एयरोस्पेस, ऐलान के बाद 2 दिन में 19% चढ़े शेयर

तनेजा एयरोस्पेस एंड एविशन लिमिटेड के शेयरों ने निवेशकों को ताबड़तोड़ रिटर्न दिया है। तनेजा एयरोस्पेस के शेयर साल 2021 के मल्टीबैगर स्टॉक्स में से एक हैं। कंपनी के शेयरों ने पिछले एक साल में करीब 280 फीसदी रिटर्न दिया है। तनेजा एयरोस्पेस एंड एविशन ने शनिवार, 14 मई 2022 को वित्त वर्ष 2021-22 के लिए निवेशकों को 40 पर्सेंट अंतरिम डिविडेंड देने की घोषणा की है। डिविडेंड की घोषणा के बाद से कंपनी के शेयरों में तेज उछाल आया है।

2 सेशन में 18.5% की तेजी, पोरिंजू के पास 3 लाख शेयर

तनेजा एयरोस्पेस एंड एविशन के शेयर मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (क्चस्श्व) में 10 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 129.70 रुपये पर पहुंच गए। डिविडेंड के ऐलान के बाद से पिछले 2 ट्रेडिंग सेशंस में कंपनी के शेयर 109.40 रुपये से बढ़कर 129.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। तनेजा एयरोस्पेस के शेयरों में पिछले 2 दिन में 18.5 फीसदी का उछाल आया है। तनेजा एयरोस्पेस के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने अंतरिम डिविडेंड पेमेंट की रिकॉर्ड डेट 21 मई 2022 फिक्स की है। दिग्गज इनवेस्टर पोरिंजू वेलियाथ की भी कंपनी में हिस्सेदारी है।

25 पैसे के शेयर ने एक ही साल में बदल दी निवेशकों की किस्मत, एक लाख रुपये को बना दिया 25.40 लाख

अगर आप 10 रुपये से कम के पेनी स्टॉक की तलाश में हैं तो आज हम आपको एक ऐसे शेयर (Penny stock) के बारे में बता रहे हैं, जो 25 पैसे से 2440 फीसद उछलकर 6 रुपये 35 पैसे पर पहुंच चुका है, वह भी केवल एक साल में। इस शेयर ने सालभर में अपने निवेशकों को मालामाल किया है।

छप्परफाड़ रिटर्न देने वाले इस शेयर का नाम है- राज रेयॉन इंडस्ट्रीज । कंपनी के शेयर एनएसई पर मंगलवार को 6.35 रुपये पर पहुंच गए। जबकि यही स्टॉक बीएसई पर 10.26 रुपये प्रति शेयर है।

राज रेयॉन शेयर प्राइस हिस्ट्री

राज रेयॉन इंडस्ट्रीज के शेयर 17 मई 2021 को महज 25 पैसे के स्तर पर थे। कंपनी के शेयर 16 मई को 6.35 रुपये प्रति शेयर के स्तर पर पहुंच गए। यानी की सिर्फ 40 ट्रेडिंग सेशंस में ही इस शेयर ने 592 पर्सेंट से ज्यादा का जोरदार रिटर्न दिया है। वहीं, महीने भर में यह शेयर 2.90 रुपये से बढ़कर 6.35 रुपये का हो गया। पिछले एक महीने में इस शेयर ने 118.97 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। पिछले पांच ट्रेडिंग सेशंस में यह शेयर 19.81त्न उछला है।

राज रेयॉन इंडस्ट्रीज के शेयर प्राइस हिस्ट्री के मुताबिक, अगर किसी निवेशक ने इस शेयर में 6 महीने पहले 1 लाख रुपये लगाए होते तो आज उसे 4.70 लाख रुपये मिलते। पिछले एक साल में इस शेयर ने 2440 फीसद का रिटर्न दिया है। सालभर पहले इस शेयर की कीमत महज 25 पैसे की थी। यानी पिछले एक साल में इस शेयर ने एक लाख रुपये के निवेश को 25.40 लाख रुपये बना दिया है।

राज रेयॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड कपड़ा क्षेत्र में सक्रिय है। साल 1993 में निगमित यह एक स?मॉल कैप कंपनी है (मार्केट कैप - ऋह्य 1.39 करोड़) 7

शारदा क्रॉपकेम ने पिछले पांच सत्रों में 10.95 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वह भी तब जब सेंसेक्स में महज 0.35 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। वहीं, अगर हम बीते 6 महीने की बात करें तो क्चस्श्व में 8.92त्न की गिरावट देखने को मिली है। जबकि इस स्टॉक ने इस दौरान 110.84त्न का रिटर्न दिया है। इस साल अभी तक इस शेयर ने 98.43त्न का रिटर्न दिया है। कंपनी के हालिया प्रकाशित तिमाही नतीजों को देखते हुए ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी ने टारगेट प्राइस में बदलाव किया है।

ब्रोकरेज फर्म आनंद राठी ने कंपनी के प्रदर्शन के बाद स्टॉक के टारगेट प्राइस में बदलाव किया है। कंपनी मौजूदा शेयर का भाव 706 रुपये है। ब्रोकरेज फर्म ने जिसे बढ़ाकर 835 रुपये कर दिया है। बता दें, वित्त वर्ष 2022 में कंपनी का मार्केट रेवन्यू 1088.13 करोड़ रुपये से बढ़कर 1434.50 करोड़रुपये हो गया है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलप सेंटर न्यूज के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91 जहांगीराबाद भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र।
आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, फोन- 0755-42223334, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल होगा।)